सूविचार

जब भी कोई हंसने का अवसर मिले तो, 'हंसें' यह एक सुलभ दवा है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 317 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, मंगलवार 10 फरवरी 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान हाईकोर्ट का आदेश, प्रदेश के सभी 31 वृद्धाश्रमों का ऑडिट करा विस्तृत रिपोर्ट 15 फरवरी पेश करे

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने राजस्थान राज्य में संचालित सभी वृद्धाश्रमों की स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर की है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि प्रदेश के सभी 31 वृद्धाश्रमों का ऑडिट कराए और वहां उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत रिपोर्ट 15 फरवरी तक प्रस्तुत करे। इस जांच में बुजुर्गों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधा, भोजन की गुणवत्ता, भवन की स्थिति, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और मानवीय व्यवहार जैसे सभी पहलुओं को शामिल करे। यह निर्देश लोक उत्थान संस्थान द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए गए। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट कहा कि वृद्धाश्रम केवल कागजी औपचारिकता नहीं हो सकते। यहां रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा, बेहतर चिकित्सा और गरिमापूर्ण जीवन मिलना उनका मौलिक अधिकार है। राजस्थान हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आधुनिक समाज में संयुक्त परिवारों के विघटन, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण बुजुर्ग उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। अब वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल केवल पारिवारिक या नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। अदालत ने देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी पर चिंता जताकर इस 'खतरे की घंटी' बताया। विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देकर हाईकोर्ट ने कहा कि वर्ष 2022 में बुजुर्गों की आबादी कुल जनसंख्या का 10.5 प्रतिशत थी, जो 2050 तक 20 प्रतिशत से अधिक हो सकती है। अनुमान है कि 2046 तक देश में बुजुर्गों की संख्या बच्चों से भी ज्यादा हो जाएगी। सुनवाई के दौरान राजस्थान की भजनलाल सरकार ने बताया कि राजस्थान में 31 वृद्धाश्रम संचालित हो रहे हैं, लेकिन याचिकाकर्ता के वकील नितिन सोनी ने आरोप लगाया कि सरकार की सूची में कई पुनर्वास केंद्रों को भी वृद्धाश्रम बताकर शामिल किया गया है। कोर्ट ने कहा कि केवल संख्या बताना पर्याप्त नहीं, बल्कि वास्तविक हालात की जांच जरूरी है।

शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार की तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें बारामती से पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। तेज खांसी और बेचैनी के बाद, डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें तुरंत पुणे शिफ्ट करने का फैसला किया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, शरद पवार पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ महसूस कर रहे थे और उन्हें खांसी हो रही थी। सोमवार को बारामती में रहते हुए उनकी हालत और बिगड़ गई, जिसके बाद उन्होंने डॉक्टर से सलाह ली। इसके बाद, कोई जोखिम न लेते हुए, उन्हें आगे की जांच के लिए पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक ले जाने का फैसला किया गया। फिलहाल, शरद पवार पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती हुए हैं। उनके साथ सांसद सुप्रिया सुले भी हैं। पवार के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिलने पर, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक रूबी हॉल क्लिनिक इलाके में इकट्ठा हो सकते हैं। इसलिए, सुरक्षा कारणों से अस्पताल के बाहर कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की गई है। शरद पवार के स्वास्थ्य के बारे में आधिकारिक जानकारी डॉक्टरों द्वारा पूरी जांच के बाद ही जारी की जाएगी।

सेंगर की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा कि सेंगर के मामले की सुनवाई तीन महीने में पूरी करें। पूर्व विधायक सेंगर ने निचली अदालत से मिली 10 साल की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दे रखी है, वहीं पीड़िता की ओर से सजा बढ़ाने की मांग की है। सेंगर के वकील ने कहा कि सेंगर 9 साल 7 महीने की सजा काट चुका है, जबकि कुल सजा 10 साल की है। लेकिन हाईकोर्ट ने जमानत देने से इंकार किया। सीबीआई की तरफ से एसजी तुषार मेहता ने कहा कि सेंगर रेप मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सीजीआई ने कहा कि इस देश में कानून का पालन होता है। इतना ही नहीं खतरनाक आतंकवादियों और देशद्रोहियों के मामलों की भी निष्पक्ष सुनवाई होती है। सीजेआई ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने वाले हैं कि अपील की निष्पक्ष सुनवाई हो। 19 जनवरी को दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत देने से इंकार किया था। वहीं दुष्कर्म के मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। कुलदीप सिंह सेंगर के खिलाफ दुष्कर्म का मामला भी चल रहा है, जिसमें हाई कोर्ट ने जमानत दे दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय पर रोक लगाकर जमानत को रद्द किया।

बालाघाट के जवानों के आत्मबल ने नक्सल समस्या को खत्म करके दिखाया

मध्यप्रदेश पुलिस के प्रभावशाली अभियान से संभव हुआ लाल सलाम को आखरी सलाम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बालाघाट के नाम में ही बल है। इस जिले ने अपने आत्मबल से ही हिमालय जैसी कठिन चुनौती नक्सलवाद का अंत करके दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल उन्मूलन का माहौल बना। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रभावशाली अभियान चलाकर नक्सलियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और प्रदेश से लाल सलाम को आखरी सलाम किया।

नक्सल उन्मूलन में हॉक फोर्स के वीर जवानों की भूमिका अभिनंदनीय है। बालाघाट में नक्सलियों द्वारा कभी खून की होली खेली गई, परंतु जवानों को वीरता, पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता के विश्वास ने क्षेत्र को नक्सल आतंक की जंजीरों से मुक्त किया। राज्य सरकार वीर शहीद जवानों को अमर जवान ज्योति के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है। हम गर्व से कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश की धरती अब नक्सलियों से मुक्त है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले 60 जांबाज जवानों को क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बालाघाट पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर सलामी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए शहीद होने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईएसओ मानकों के अनुसार तैयार बालाघाट जिले के 32 पुलिस स्टेशनों और अन्य शासकीय कार्यालयों का रिमोट से लोकार्पण किया, इससे संबंधित प्रमाण पत्र भी मंच से प्रदान किए गए। इस अवसर पर पुलिस जवानों ने वो बांके अलबेले- जो वापस न लौटे- इस मिट्टी के बेटे गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सल संस्मरण पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व मंत्री श्री गौरी शंकर बिसेन, एडीजी नक्सल विरोधी अभियान श्री वेंकटेश्वर राव, पुलिस अधीक्षक बालाघाट श्री आदित्य मिश्रा सहित विधायक गण तथा जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह खेद का विषय है कि बालाघाट में पूर्व में तत्कालीन सरकार के मंत्री श्री लिखीराम कावरे की सरेआम हत्या कर दी गई थी। हमारे लिए यह बड़ी चुनौती थी, क्योंकि मध्यप्रदेश की 836 किलोमीटर लंबी सीमा छत्तीसगढ़ से लगती है। मध्यप्रदेश ने 38 पुलिस जवान और 27 आम नागरिक को खोया है।

तरनतारन में छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा के सिर में गोली मारी, बाद में खुद को किया शूट

तरनतारन। पंजाब के तरनतारन में मौजूद लॉ कॉलेज में सोमवार को छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद छात्र ने वहीं पर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड किया। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है, लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। वहीं आरोपी छात्र तरनतारन का प्रिंसराज सिंह है, वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने लॉ कॉलेज को सील कर हत्या के कारणों की जांच कर रही है। वहीं मृतक लड़की की मां ने आरोप लगाया कि कॉलेज से उन्हें कहा गया कि छोटा सा झगड़ा हुआ और उनकी बेटी को चोट लगी है। जब वह कॉलेज पहुंची, तब देखा कि बेटी मरी पड़ी थी। पुलिस के मुताबिक अभी घटना के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। शुरुआती तौर पर इस घटना को एकतरफा प्यार से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस को शक है कि युवक ने वेलेंटाइन वीक में 8 फरवरी को छात्रा को प्रपोज किया था लेकिन छात्रा ने इंकार कर दिया। इसके बाद गुस्साए छात्र ने ये भयावक कदम उठाया है। बात दें कि कत्ल से जुड़ा कॉलेज के क्लासरूम का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। यह फुटेज सुबह करीब 9 बजे का है। तब क्लास में पढ़ाई शुरु नहीं हुई थी। सभी स्टूडेंट क्लास में ही घूम रहे थे।

कांग्रेस पर बिफरे केंद्रीय मंत्री रिजिजू

कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहती

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस सांसदों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में अभद्र व्यवहार का आरोप लगाकर कांग्रेस पार्टी पर कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को सुरक्षा संबंधी चेतावनी देने पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों का आचरण अस्वीकार्य है। यह घटना स्पीकर बिरला द्वारा गुरुवार को दिए गए उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ कांग्रेस सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की सीट के पास जाकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम देने की सूचना के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को सदन में उपस्थित न होने की सलाह दी थी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोक सके। इस पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला के कक्ष में कांग्रेस सांसदों के व्यवहार की निंदा करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के सदन में प्रवेश करते ही कांग्रेस ने हंगामा करने की योजना बनाई थी। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी के सदन में आते ही उनसे कागजात छीनने की योजना बनाई थी। रिजिजू ने कहा कि संसद गुंडागर्दी का स्थान नहीं है। हर चीज की एक सीमा होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहती है, लेकिन व्यवधान संसदीय कार्य में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सदन चलाना चाहते हैं। अगर कांग्रेस सदन को चलने नहीं देना चाहती, तब अन्य सांसदों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। एक अलग बयान में, रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस लगातार व्यवधान के कारण नहीं हो सकी।

रूस से तेल खरीदने और भारतङ्कअमेरिका व्यापार समझौते पर भ्रमित कर रहे मोदी के मंत्री

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रूस से तेल खरीदने और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विदेश मंत्री एस.जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के कथित विरोधाभाषी बयानों को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि इस मामले में केंद्र सरकार के दृष्टिकोण में ही खामी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समग्र सरकार (होल ऑफ गवर्मेन्ट) का दृष्टिकोण कहते हैं, उस पर बड़े-बड़े दावे करते हैं। लेकिन रूसी तेल के मुद्दे और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हाल यह है कि वाणिज्य मंत्री कहते हैं कि विदेश मंत्री से पूछिए, विदेश मंत्री कहते हैं कि वाणिज्य मंत्री से पूछिए और पेट्रोलियम मंत्री दूसरे मुद्दों में उलझे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में खामियों से भरा दृष्टिकोण है। बीते शनिवार को भारत और अमेरिका द्वारा पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के ढांचे पर जारी संयुक्त बयान में गया था कि भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान के पुर्जे, कीमती धातुएं, तकनीकी उत्पाद और कोयला खरीदने का इरादा जाहिर किया है।

कोर्ट रुम में जज के सामने वकील की पिटाई, गुस्साएं सीजेआई ने कहा, गुंडा राज स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की बेंच में सोमवार सुबह एक वकील शिकायत लेकर पहुंचा कि मुझे दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में अंदर जज के सामने पीटा गया है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि गुंडा राज स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पहले पीड़ित वकील को दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के पास जाने का कहकर शिकायत की एक कॉपी उन्हें भी देने के निर्देश दिए। वकील का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने से दिल्ली पुलिस बच रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन वी अंजारिया की बेंच के सामने उस वकील ने घटना का जिक्र कर बताया कि वह तीस हजारी कोर्ट में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज हरजीत सिंह पाल की अदालत में एक आरोपी की ओर से पेश हो रहे थे। तभी शिकायतकर्ता के वकील कई गुंडों के साथ कोर्ट रूम में घुसे और जज के सामने ही उन्हें और अन्य आरोपियों को पीट दिया। पीड़ित वकील ने बताया कि हमलावरों ने कोर्ट रूम का दरवाजा अंदर से बंद किया था और जज की मौजूदगी में हिंसा को अंजाम दिया। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने उस वकील से पूछा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने लिखित शिकायत के बजाए, उनके पास जुबानी शिकायत लेकर क्यों आए हैं। उन्होंने कहा, क्या आपने इस मामले को दिल्ली हाई कोर्ट के माननीय चीफ जस्टिस के संज्ञान में लाया है?

कांग्रेस की महिला सांसदों ने बिरला को लिखा खत, सत्ताधारी पार्टी के दबाव में आकर काम कर रहे

नई दिल्ली। लोकसभा में हालिया घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस की महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर कड़ी आपत्ति और गहरी चिंता जाहिर की है। यह पत्र तमिलनाडु की सांसद एस. जोतिमणि के लेटरहेड पर लिखा गया है, जिस पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, आर. सुधा, ज्योत्सना चरणदास महंत और वर्षा एकनाथ गायकवाड़ सहित कई महिला सांसदों के हस्ताक्षर हैं। बिरला को लिखे पत्र में विपक्ष की महिला सांसदों पर लगाए गए कथित निराधार और मानहानिकारक आरोपों तथा विपक्ष के संसदीय अधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया है। महिला सांसदों ने लिखा कि वे यह पत्र 'गहरे दुख और संवैधानिक जिम्मेदारी की भावना' के साथ लिख रही हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोकसभा स्पीकर जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को सत्ताधारी पार्टी के दबाव में आकर विपक्ष की महिला सांसदों, विशेषकर कांग्रेस सांसदों, के खिलाफ झूठे और अपमानजनक आरोप लगाने पड़े। पत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा का उल्लेख कर कहा गया कि स्थापित संसदीय परंपरा के बावजूद विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लगातार चार दिनों तक बोलने का मौका नहीं दिया गया, जो अभूतपूर्व और अक्षम्य है।

सेशेल्स के राष्ट्रपति से मिले पीएम मोदी ने किया

175 मिलियन डॉलर के आर्थिक पैकेज का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के बीच दिल्ली में सोमवार को मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 175 मिलियन डॉलर के आर्थिक पैकेज का ऐलान कर दिया। पीएम मोदी ने आर्थिक पैकेज का ऐलान कर कहा, हम अपने आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के लिए नए मौकों की तलाश जारी रखने पर सहमत हैं। लोकल करेंसी में व्यापार बढ़ाने के साथ-साथ हम फिनटैक और डिजिटल समाधान में भी अग्रसर हो रहे है। विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत नींव रही है। वहीं सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. हर्मिनी ने कहा, मैं आज सेशेल्स रिपब्लिक के राष्ट्रपति के तौर पर भारत के अपने पहले राजकीय दौरे पर आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को मेरे आने पर दी गई गर्मजोशी भरी मेहमान नवाजी के लिए धन्यवाद देता हूं। यह दौरा सेशेल्स और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती और आपसी सम्मान को दिखाता है, खासकर इसलिए क्योंकि यह साल हमारे रिश्तों में एक अहम पड़ाव है। इसी साल जून में, सेशेल्स और भारत अपने डिप्लोमैटिक संबंधों की गोल्डन जुबली मनाएंगे।

चर्चा

परीक्षा पे चर्चा : गुरु पीएम मोदी का छात्रों को गुरुमंत्र

कभी भी तकनीक का गुलाम नहीं बनना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को परीक्षा पे चर्चा के 9वें संस्करण के दूसरे एपिसोड में देशभर से आए छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी कोयंबटूर से छत्तीसगढ़ पहुंचे और बच्चों से बात की। इसके बाद पीएम मोदी गुवाहाटी के अष्टलक्ष्मी पहुंचे। पीएम मोदी ने बच्चों से कहा कि कभी भी तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। बल्कि तकनीक का इस्तेमाल केवल और केवल अपनी क्षमता बढ़ने के लिए करना चाहिए। परीक्षा पे चर्चा के दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने बच्चों को पढ़ने के साथ, लिखकर प्रैक्टिस करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों से कहा कि पहले निडर बनो फिर लीडर बन जाओगे। पीएम मोदी ने छात्रों को पढ़ाई में कमजोर अपने क्लासमेट्स की मदद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि तेज छात्रों को उन कमजोर छात्रों से दोस्ती करनी चाहिए और उन्हें टॉपिक समझाने चाहिए। दूसरों को पढ़ाने से खुद भी बेहतर सीखने में मदद मिलती है।

परीक्षा के समय तनाव कैसे कम करें परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी से छात्रों ने पूछा कि तनाव कैसे कम करे, इस पर पीएम मोदी ने कहा कि आप पुरानी परीक्षा के दिनों को याद कीजिए। जब आप पुरानी परीक्षाओं को याद करते हैं, तब आपको लगेगा उस समय भी तनाव था, लेकिन जब वह परीक्षा देकर आ गया, तब कुछ नहीं था। ऐसा होता है ना। परीक्षा के लिए सबसे अच्छी चीज होती है कि आप पेपर सॉल्व करने की आदत डालें। लिखने की आदत डालें। अगर खुद आप इस तरह से प्रैक्टिस करते रहने वाले हैं, तब आपको कभी तनाव नहीं होगा।

स्व. श्री सौभाग्य चंद मालू स्मृति अशोक एण्ड अशोक अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता में दर्शकों का रोमांच

सिवनी। यंग स्टार क्लब सिवनी के तत्वावधान में आयोजित अशोक एण्ड अशोक अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के अंतर्गत 08 फरवरी 2026 को पुलिस ग्राउंड सिवनी में दो अत्यंत रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में स्थानीय खेल प्रेमियों का भारी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने खिलाड़ियों का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरा मैदान खेल भावना और ऊर्जा से सराबोर रहा।

पहला मुकाबला केरला बनाम अटरमा दोपहर 02ः00 बजे खेले गए मैच में केरला टीम ने शुरुआती क्वार्टरों में तेज और आक्रामक खेल दिखाते हुए 4 गोल की बढ़त बना ली। अटरमा टीम ने शानदार संघर्ष का परिचय देते हुए मध्यांतर के बाद सधी हुई हॉकी खेली और स्कोर 4-4 की बराबरी पर पहुंचा दिया।

निर्धारित समय तक परिणाम नहीं निकलने पर मैच का फैसला पेनाल्टी स्ट्रोक से किया गया। दोनों टीमों को 5-5 अवसर दिए गए, किंतु स्कोर बराबर रहा। अंतत: सडन डेथ में केरला टीम ने 6-5 से रोमांचक विजय दर्ज की।

वहीं दूसरा मुकाबला अमरावती बनाम इटारसी खेला गया दूसरे मैच में अमरावती एवं इटारसी के बीच कड़ा और रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। प्रथम क्वार्टर की समाप्ति तक स्कोर 0-0 रहा। दूसरे क्वार्टर में इटारसी को दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले, परंतु वे उन्हें गोल में परिवर्तित नहीं कर सके।

अमरावती टीम को मिले पेनाल्टी कॉर्नर पर जर्सी नंबर 10 जयकारले ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मध्यांतर के पश्चात तीसरे क्वार्टर में अमरावती के कप्तान अमन खान ने मैदानी गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया।

चौथे क्वार्टर में इटारसी ने एक पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-1 किया, किंतु अंतत: अमरावती ने मुकाबला अपने नाम किया। मैचों में मुख्य अतिथियों के रूप में अजितेश मसीह (भिलाई स्टील प्लांट), विष्णु करोसिया, प्रकाश शर्मा, किशन अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमें प्रतियोगिता में स्थानीय टीम सिवनी DHA सहित विभिन्न राज्यों एवं शहरों की प्रतिष्ठित टीमें सिवनी पहुंच चुकी हैं, जिनमें मुंबई, नरसिंहपुर, अमरावती, केरला, रायपुर अकादमी एवं बिलासपुर अकादमी शामिल हैं।

आगामी मैचों में ये सभी टीमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगी, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक होने की संभावना है।

प्रतियोगिता के अंतर्गत दिनांक 09 फरवरी 2026 को 3 मैच खेले जाएंगे। हॉकी भारत का गौरवशाली खेल रहा है। इसकी तेज गति, सटीक पासिंग और टीम वर्क इसे विशेष बनाते हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ रहा है तथा स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए समुचित बैठक व्यवस्थाएं की गई हैं। मैच में विशिष्ट उपस्थितजनों में सिवनी जिले के इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधि फिरोज खान, संजय अग्रवाल, गोपाल चौरसिया, राज किशोर यादव, जितेंद्र सिंह, नंदन श्रीवात्री, हसीब खान, वाहिद खान, काबिज खान, रशीद खान एवं संदीप लहोरिया शामिल रहे।

MP कैडर के IPS अभिनव चौकसे को केंद्र में महत्वपूर्ण भूमिका मिली, इंटेलिजेंस ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति

भोपाल। मध्य प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अभिनव चौकसे को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन इंटेलिजेंस ब्यूरो में प्रतिनियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने उनकी सेवाएं केंद्र को सौंप दी हैं। वर्तमान में वे नई दिल्ली स्थित इंटेलिजेंस ब्यूरो में सेवाएं देंगे। यह नियुक्ति प्रशासनिक और खुफिया क्षेत्र में उनके अनुभव और दक्षता का परिणाम मानी जा रही है।

मध्य प्रदेश में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी

अभिनव चौकसे ने मध्य प्रदेश में विभिन्न जिलों में पुलिस अधीक्षक सहित कई अहम पदों पर कार्य किया है। फील्ड पोस्टिंग के दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। जमीनी स्तर पर काम करने का उनका अनुभव प्रशासनिक हलकों में प्रभावी माना जाता रहा है।

ड्रग्स और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई

उनके कार्यकाल में नशे के कारोबार के खिलाफ सतत और योजनाबद्ध अभियान चलाया गया। ड्रग्स तस्करी और अवैध नेटवर्क पर कार्रवाई कर पुलिस की सक्रियता को नई दिशा दी गई। संगठित अपराध के मामलों में भी सूचना संकलन और त्वरित कार्रवाई उनकी कार्यशैली की पहचान रही।

संवेदनशील मामलों में प्रभावी नेतृत्व

नाबालिग से जुड़े गंभीर अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों में जांच को प्राथमिकता देते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। तकनीकी साक्ष्य, स्थानीय इनपुट और गोपनीय सूचनाओं के समन्वय से मामलों का खुलासा उनकी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल रहा।

कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में संतुलन

उन्होंने अपने कार्यकाल में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। राजनीतिक या अन्य दबावों से अलग रहकर पेशेवर निर्णय लेना उनकी प्रशासनिक छवि का अहम हिस्सा रहा है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो में नई जिम्मेदारी

सूक्ष्म जानकारी जुटाने, विश्लेषण क्षमता और रणनीतिक सोच के कारण ही अभिनव चौकसे को इंटेलिजेंस ब्यूरो में जिम्मेदारी दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत यह भूमिका देश की आंतरिक सुरक्षा और खुफिया समन्वय के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। मध्य प्रदेश में फील्ड और प्रशासनिक अनुभव के बाद अभिनव चौकसे की इंटेलिजेंस ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है। उनका अनुभव और कार्यशैली अब राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा और खुफिया तंत्र को मजबूती देने में उपयोगी सिद्ध होगी।

कलावती यादव ने रेखा गोयल के सुपुत्र अनंत गोयल एवं सौ. खुशी के विवाह समारोह में वर-वधू को आशीर्वाद दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने परासपानी पहुंच विभिन्न मुद्दों पर उठाया सवाल

ग्रामीणों और किसानों संघ लगाई चौपाल

सिवनी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्य सभा सांसद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह जी सिवनी जिले के कुरई विकास खंण्ड के ग्राम परासपानी में आगमन हुआ, कार्यक्रम स्थल पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी, केवलारी विधायक ठा. रजनीशसिंह, बरघाट के पूर्व विधायक अर्जुनसिंह काकोडिया, प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजा बघेल, जिला कांग्रेस संगठन महामंत्री हनीफ खान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मोहनसिंह चंदेल, घुमक्कड जनजाति प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष देवीसिंह चौहान, अशोक सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट, शिव सनोडिया, अशोक नरेती, यशपाल भलावी, घनश्याम सनोडिया, राजिक अकील, श्रीमती शांता बाई, श्रीमती सविता करवेती, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य मोन्टू भूरा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष तनवीर अहमद, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राकेश सनोडिया, बालाघाट से अनूप बैस, विष्णु करोसिया, श्रीमती सुयोगिता सक्सेना, सरपंच विजय उइके, निर्वाचन प्रभारी राहुल उइके, आजम दीवान अली, देवेन्द्र ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शिवनारायण सिंह उइके, अतुलचंद मालू, मनोज राहंगडाले, नीलकंठ बाहेश्वर, संजय बघेल, विनोद पुरोहित, बब्बलू भाई, धनंजयसिंह, श्रीमती कविता कहार, दिलीप कर्वेती, जिला पंचायत सदस्य दुपेन्द्र अमुले, सतीश सरयाम, नेपाल सिंह उइके, चैनसिंह नरेती, अमर वरकडे, इंदरलाल, राम बाब मरावी, निरंजन धुर्वे, राजकुमार सरयाम, भारद्वाज नरेती, देवेन्द्र मरावी, शिवचंद धुर्वे, बालकिशोर भलावी, उपस्थित होकर ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन किया जिसमें उस क्षेत्र के विशेषकर आदिवासी युवाओं को कांग्रेस कमेटी में महत्वपूर्ण स्थान दिया। कांग्रेस द्वारा प्रारंभ की गई महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना पर उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह जी के प्रधानमंत्री रहते हुये ग्रामीण किसानों मजदूरो को इस योजना के अन्तर्गत रोजगार प्राप्त हो सका, जिससे कि पूरे देश में ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर किसानों के जीवन स्तर में सुधार हुआ और आर्थिक आय बढ़ी। सिर्फ नाम बदल देने से योजनाएं ठीक ढंग से नही चलाई जा सकती, वर्तमान में मोदी सरकार ने मनरेगा का स्वरूप बदलकर देश के ग्रामीण मजदूर किसानों का भारी नुकसान किया है इस योजना में भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है भाजपा के नेताओं के मशीनों से कार्य कराया जा रहा है और भुगतान भर्जी निकाले जा रहें है स्थानीय लोगो ने क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर श्री दिग्विजय सिंह जी को ज्ञापन भी सौंपा। दिग्विजयसिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा के विधायक, मंत्री दूसरे जिलों के आदिवासियों के नाम पर इस क्षेत्र में जमीने खरीदकर यहॉ के आदिवासियों का अहित कर रहें है, भाजपा विधायक संजय पाठक द्वारा जो जमीन इस क्षेत्र में खरीदी गई है कांग्रेस पार्टी वह जमीन आदिवासियों को वापस दिलाने के लिए संघर्ष करेंगी। कांग्रेस पार्टी ही आदिवासियों का भला कर सकती है। एसआईआर के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवाना चाहती है ऐसा हम हरगिज नही होने देंगे। जैसा कि आप सभी जानते है कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का नाम आईस्टीन के साथ लिया जाता था, मोदी जी का नाम किसके साथ लिया जा रहा है मुझे यह आपको बताने की आवश्यकता नही है ट्रम्प से डील कर मोदी ने भारतीय किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है अब किसान उत्पाद अमेरिका से बिना किसी टैक्स के भारत बुलाये जायेंगे, तो इस देश का किसान जो उत्पादन करेंगा उनके दामो में गिरावट आयेगी, वर्तमान में जो मक्के का रेट है उसी तरह देश एवं प्रदेश के किसानों के फसलों का दाम गिर सकता है।

सुकतरा ब्लॉक कांग्रेस के अन्तर्गत आने वाले ग्राम परासपानी में ग्राम पंचायक कमेटी के गठन एवं मनरेगा बचाओं संवाद कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनों के साथ साथ जिले की चारों विधानसभा क्षेत्र से बडी संख्या में उपस्थिति रही।

मध्यप्रदेश आज आत्मनिर्भरता और तीव्र विकास का प्रतीक बन चुका है: मंत्री राजपूत

25 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि कभी बीमारू राज्य और विकास की दौड़ में पिछड़ा माना जाने वाला मध्यप्रदेश आज आत्मनिर्भरता कृषि समृद्धि और तीव्र आर्थिक विकास का प्रतीक बन चुका है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व की सरकार की योजनाबद्ध नीतियों और किसानों के अटूट मेहनत का परिणाम है। मध्यप्रदेश केवल विकास भर में अग्रणी नहीं है बल्कि खाद्य उत्पादन में भी देश में नई पहचान बना चुका है। मंत्री श्री राजपूत ने सागर जिले के ग्राम मर्दानपुर, शिकारपुर, काटीघाटी में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन के अवसर पर कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार हर व्यक्ति को जनहितैषी योजनाओं से जोड़कर घर-घर लोगों को लाभ पहुंचाया है। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में विकास की सभी परिकल्पनाएं पूरी हो रही हैं, फिर चाहे वह गांव-गांव में सड़कों का जाल हो या घर-घर में स्वच्छ जल की व्यवस्था हो। इन सभी के अलावा बच्चों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य की योजनाओं से सुरखी विधानसभा सबसे कम समय में सबसे अधिक विकास करने वाला क्षेत्र बन गया है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां भारत को विश्व में नई पहचान मिली है तो वहीं लाडली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना, पेंशन योजना, मुख्यमंत्री मेघावी विद्यार्थी योजना,उज्जवला योजना, लाडली बहना योजना से हर व्यक्ति को सरकार लाभ पहुंचा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा में करोड़ों के विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने मर्दानपुर, मोहासा, मैनवाराखुर्द, पचोहा, काटीघाटी, सोठिया, जामुनढाना, शिकारपुर, पीपलखेडी, ग्रामों में अमृतसरोवर पेयजल टंकी, बाउण्डीवाल, सामुदायिक भवन, सीसीरोड, चबूतरा निर्माण, पुलिया निर्माण, आदि के लगभग 25 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया।

मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि आज जबलपुर सर्किट हाउस में केंद्रीय राज्य मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग अजय टम्टा की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश में NHAI एवं PWD (NH) के अंतर्गत संचालित कार्यो की समीक्षा बैठक में सहभागिता की। बैठक के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गो के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

भारतीय ज्ञान परंपरा ने राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना है: मंत्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के गौरव हैं। उनका अनुशासन और सेवा भाव समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपार क्षमता रखता है। श्री परमार ने कहा कि शिक्षा के साथ सेवा का भाव युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सच्चा योगदानकर्ता बनाता है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार रविवार को भोपाल स्थित निवास कार्यालय पर, गणतंत्र दिवस परेड-2026 में मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले चयनित राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स) के स्वयंसेवकों से भेंट कर सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार से, माय-भारत राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय पुरस्कार 2022-23 से सम्मानित स्वयंसेवक श्री सौमित दुबे एवं सुश्री आयुषी सिन्हा ने भी भेंट की। मंत्री श्री परमार ने उनके प्रशस्ति पत्र एवं मेडल का अवलोकन कर, उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दीं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने स्वयंसेवकों को मेडल एवं शॉल से सम्मानित किया। श्री परमार ने समस्त स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात करते हुए विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने के लिए निरंतर कार्य करें। श्री परमार ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता ही भारत को विश्व पटल पर अग्रणी बनाएगी। इस अवसर पर राज्य एनएसएस अधिकारी श्री मनोज कुमार अग्निहोत्री, कार्यक्रम समन्वयक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल डॉ अनंत कुमार सक्सेना तथा ईटीआई प्रशिक्षक राहुल सिंह परिहार, युवा अधिकारी डॉ राजकुमार वर्मा भी उपस्थित थे।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को दी जा रही ई-विकास प्रणाली की जानकारी

भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2026 को ÷कृषक कल्याण वर्ष÷ के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में हरदा जिले के तीनों विकासखंडों में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है। कृषि रथ के साथ कृषि विज्ञान केंद्र, कोलीपुरा के वैज्ञानिक, कृषि विभाग एवं संबद्ध विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा किसानों से सीधा संपर्क कर ई-विकास प्रणाली से उर्वरक क्रय करने के लिये जागरूक किया जा रहा है। साथ ही नरवाई प्रबंधन, ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के स्थान पर उडद, मूंगफली, तिल आदि फसलों को प्रोत्साहन, प्राकृतिक व जैविक कृषि करने के लिये प्रोत्साहन, मृदा स्वास्थ कार्ड के आधार पर उर्वरको की संतुलित मात्रा का उपयोग करने और भूमि पर बोई गई फसल अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग करने आदि का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ किसानों को समसामयिक सलाह भी प्रदान की जा रही है। कृषि रथों द्वारा जिले की 162 ग्राम पंचायतो में भ्रमण किया गया है। इस दौरान 5270 किसानों, 247 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभागीय अधिकारी कर्मचारी तथा वैज्ञानिकों द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदाय की गई। कटनी जिले के किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों और उन्नत खेती की जानकारी देने के लिए कृषि विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्?यम से किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी जबलपुर में मेरे पारिवारिक सदस्य डॉ.आलोक चंसोरिया की सुपुत्री आभा जी संग आदित्य देव जी के वैवाहिक आशीर्वाद समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि नव दंपती के सुखद, सफल एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। वर- वधु के परिवारों से आत्मीय भेंट कर उन्हें हार्दिक बधाई दी व शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

बिना हेलमेट पेट्रोल प्रदाय पर सख्ती, पेट्रोल पंपों में आदेश चस्पा कर निरीक्षण किया गया

मंडला। जिले में हेलमेट पहनेगा मण्डला अभियान तहत जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार बिना भारतीय मानकों के अनुरूप हेलमेट धारण किए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल प्रदाय नहीं किया जाने हेतु आदेश जारी किया गया है। हेलमेट पहनेगा अभियान के इस आदेश अंतर्गत जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों के माध्यम से पेट्रोल पंप में आदेश चस्पा किये जा चुके हैं।जिला पुलिस द्वारा सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं कर्मचारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।इसी क्रम में एसडीओपी मंडला श्री पीयूष मिश्रा द्वारा मंडला शहरी क्षेत्र अंतर्गत बिंझिया-लालीपुर एवं पड़ाव स्थित पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पंप कर्मचारियों को बिना हेलमेट पेट्रोल प्रदाय न करने के सख्ती से निर्देश दिए गए हैं।जिन पेट्रोल पंपों पर नियमों के उल्लंघन की संभावना पाई गई,उन्हें एसडीओपी मंडला द्वारा सख्त समझाइश देते हुए भविष्य में आदेशों का उल्लंघन पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी है।

जुए पर बिछिया पुलिस की बड़ी कार्यवाही

लाखों रुपए की नगदी मोबाइल व वाहन जब्त

मंडला। जिले के बिछिया थानांतर्गत जुए के अड्डे पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की, लगभग 19 लाख से अधिक रु. के साथ मोबाइल एवं वाहनों की जप्ती की।बिछिया थानांतर्गत पुलिस ने फोंक सिझौरा में जुए का भंडाफोड़ किया जिसमें 07 आरोपी पकड़े,04 आरोपी फरार हुए जिनकी तलाश जारी है।पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में अवैध जुए के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 08/02/26 की मध्य रात्रि में मंडला पुलिस की गठित विशेष टीम द्वारा एक बड़ी कार्यवाही की गई। पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम फोंक सिझौरा में कुछ लोग अवैध रूप से पैसा लगाकर जुआं खेल रहे हैं।सूचना की तस्दीक उपरांत उपपुलिस अधीक्षक सतीष चतुर्वेदी (महिला सुरक्षा मंडला),(प्रभारी एसडीओपी बिछिया) के नेतृत्व में 04 अलग-अलग टीम गठित की गईं।योजनाबद्ध तरीके से की गई रेड कार्यवाही के दौरान फोंक सिझौरा स्थित उमेश राय उर्फ मुनिया के घर से जुआ खेलते हुए 07 आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपीगणों में वैभव मिश्रा(निवासी बिछिया),संजय चौकसे(निवासी बरगी),आनंद बंदेवार(निवासी बम्हनी),राजेश खम्परिया(निवासी बरगी), फरीद अली(निवासी परवाडा), सचिन उद्दे (निवासी बम्हनी),राजकुमार उर्फ राजा (निवासी अंजनिया) शामिल हैं।जांच एवं आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर यह भी सामने आया कि अतुल कटारे(निवासी बिछिया),महेश बंजारा(निवासी बम्हनी)जुआ खिलाने व नाल काटने वाले अलाल कसार (निवासी बिछिया)उमेश राय उर्फ मुनिया(निवासी फोंक सिझौरा)अंधेरे का फायदा उठाकर घटना स्थल से फरार हो गए।

पुलिस द्वारा जप्त की गई सामग्रीयों में नगद राशि ?3,21,200/-मोबा.फोन08 नग चार पहिया वाहन

1-MP20 ZX 7828
2-MP20 MC 1642
3-MP20 CL 5533

पुलिस द्वारा जप्त नगदी,वाहन व मोबाइल की अनुमानित मूल्य राशि लगभग 19,01,200/-है।

उक्त प्रकरण में गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट एवं धारा 49 बीएनएस के अंतर्गत विधि सम्मत कार्यवाही की गई है। वहीं पुलिस की सराहनीय कार्यवाही टीम में सतीष चतुर्वेदी, डीएसपी (महिला अपराध शाखा) मंडला,निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम(थाना प्रभारी बिछिया), निरीक्षक ममता परस्ते,निरीक्षक गिरीश करवेती, निरीक्षक जयसिंह यादव, सउनि. बालमुकुन्द चौरसिया, सउनि.सुरेश विजयवार, सउनि. भूमेश्वर,सउनि.जगदीश सैयाम, प्र.आर. महेन्द्र कुशराम,प्र.आर. भभूत,आर.अमृत मरावी, आर. वैभव,आर.मनीष,आर.संदीप, आर.दिनेश वरकडे, आर.हेमेन्द्र, आर.सुरेश पंचेश्वर, आर. चन्द्रभान, आर.काशी, आर.संजय,आर.सुधीर,आर. राजेश,आर.सुन्दर,आर.रमेश एवं आर.शिवा नाविक का सराहनीय भूमिका रही।

इनका कहना है

01-हमारे वरिष्ठ अधिकारियों के में हमारे द्वारा अपने थाना क्षेत्र में एक बड़े अपराध पर कार्यवाही किया गया है, और हम आमजन से अपेक्षा करेंगे कि इस तरह की अपराध की सूचना हमें दें ताकि हम जनहित में कानूनी कार्रवाई कर सकें।

-रंजीत सिंह सैयाम
निरीक्षक थाना बिछिया

न्यू चौक से नगर में जगतगुरु शंकराचार्य के आगमन को लेकर तैयारियां

भोपाल। न्यू चौक से नगर क्षेत्र में जगतगुरु शंकराचार्य के पावन आगमन को लेकर भव्य तैयारियां की जा रही हैं। नगर में जगह-जगह स्वागत द्वार, बैनर एवं होर्डिंग लगाए गए हैं, जिससे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है। बैनरों में दी गई जानकारी के अनुसार जगतगुरु शंकराचार्य तीन दिवसीय प्रवास के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे धर्म, संस्कृति, गौ-संरक्षण एवं सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन देंगे तथा आमजन के प्रश्नों के उत्तर भी देंगे।

आयोजन से जुड़े भूपेंद्र तिवारी ने बताया कि साक्षात जगतगुरु शंकराचार्य जी का नगर आगमन हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उनके माध्यम से समाज को धर्म से जोड़ने का कार्य किया जाएगा और गौ-हत्या जैसे गंभीर विषय पर जनजागरूकता फैलाई जाएगी। भूपेंद्र तिवारी ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगरवासियों में जगतगुरु शंकराचार्य के दर्शन एवं प्रवचनों को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

समर्पण दिवस पर भाजपा की तैयारी तेज, नगर मंडल इटारसी में आजीवन सहयोग निधि अभियान के लिए नियुक्त हुए प्रभारी

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रतिवर्ष 11 फरवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसी अवसर पर पार्टी संगठन की मजबूती और वैचारिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आजीवन सहयोग निधि अभियान संचालित किया जाता है। इस वर्ष भी भाजपा जिला नर्मदापुरम द्वारा जिलेभर में इस अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की तैयारी की गई है।

जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार नगर मंडल इटारसी में आजीवन सहयोग निधि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रभारी एवं सहप्रभारी की नियुक्ति की गई है। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद जसबीर सिंह छाबड़ा को इस अभियान का प्रभारी बनाया गया है, जबकि मंडल के कोषाध्यक्ष संजय राय चौधरी को सहप्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने दोनों पदाधिकारियों को अभियान के समन्वय, जनसंपर्क और निधि संग्रहण की संपूर्ण रूपरेखा तैयार करने का दायित्व दिया है।

नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे ने जानकारी देते हुए बताया कि समर्पण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि संगठन के प्रति समर्पण और वैचारिक निष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आजीवन सहयोग निधि अभियान के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क कर उन्हें संगठन की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करेंगे। इसके लिए मंडल स्तर पर जिम्मेदारियाँ निर्धारित कर दी गई हैं ताकि अभियान को व्यापक रूप से सफल बनाया जा सके।

उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाएगा और अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा संगठन इसे केवल निधि संग्रह का कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठनात्मक सशक्तिकरण और संवाद का अवसर मानता है। नगर मंडल इटारसी में अभियान को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं और पदाधिकारियों द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी रणनीति तय की जा रही है। भाजपा पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि कार्यकर्ताओं के उत्साह और संगठन की एकजुटता से आजीवन सहयोग निधि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

यादव यदुवंशी क्षत्रिय समाज का पाँचवाँ निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 20 अप्रैल को सोनतलाई में

इटारसी/नर्मदापुरम। यादव (यदुवंशी) क्षत्रिय समाज द्वारा सामाजिक समरसता और सादगीपूर्ण विवाह परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पाँचवाँ निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह भव्य आयोजन 20 अप्रैल 2026, सोमवार को ग्राम सोनतलाई, तहसील इटारसी, जिला नर्मदापुरम (होशंगाबाद) में संपन्न होगा। सम्मेलन का शुभ मुहूर्त शुक्ल पक्ष तृतीया को प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन में समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का विधि-विधान से वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। विवाह सम्मेलन पूर्णतः निःशुल्क रहेगा, जिसमें वर-वधू के लिए विवाह मंच, पंडित, पूजन सामग्री, भोजन व्यवस्था सहित आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, सम्मेलन स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

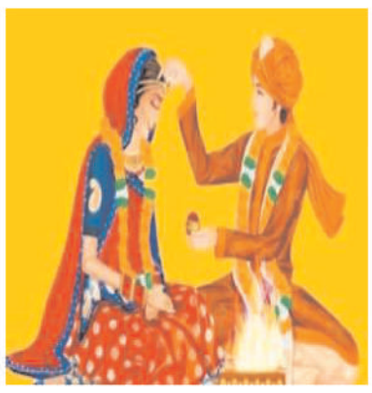

सम्मेलन में भाग लेने वाले जोड़ों के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र एवं दो-दो फोटो अनिवार्य बताए गए हैं। आयोजन समिति द्वारा यह भी अपील की गई है कि इच्छुक वर-वधू सम्मेलन से कम से कम 10 दिन पूर्व अपना पंजीयन करवा लें, जिससे व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से पूरा किया जा सके। आयोजन समिति ने स्पष्ट किया है कि यह सम्मेलन सामाजिक सौहार्द और सादगीपूर्ण विवाह की मिसाल बनेगा। कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत दिखावेबाजी या बाहरी हस्तक्षेप को स्थान नहीं दिया जाएगा। यह सम्मेलन समाज के सभी स्वजातीय बंधुओं एवं देशवासियों के सहयोग से सफल बनाने का आह्वान किया गया है। इस निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन यादव (यदुवंशी) क्षत्रिय समाज जिला नर्मदापुरम, जिला संरक्षण समिति एवं क्षेत्रीय समितियों के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने समाज के अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता कर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की अपील की है।

छिंदवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स में ठेकेदार को 2400 करोड़ का भुगतान

छिंदवाड़ा। सिंचाई काम्पलेक्स छिंदवाड़ा की महत्ती परियोजना है, इससे जिले का सिंचाई रकबा बढेगा, जो जमीनें बांध में जायेगी उससे छिंदवाड़ा एवं अन्य जिले में जंगल लगेंगे। अधीक्षण यंत्री कुमकुम कौरव ने बताया कि कार्य तेजी से चल रहा है। पांच हजार करोड़ रूपये की इस योजना में लगभग 48 प्रतिशत कार्य हो चुका है और ठेकेदार को लगभग 2400 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है।

छिंदवाड़ा सीआईसी (छिंदवाड़ा इरीगेशन कॉम्प्लेक्स) के निर्माण से प्रभावित हो रहे फारेस्ट के बदले छिंदवाड़ा व आसपास के बिगड़े वनों के सुधार के साथ ही चंबल के बीहड़ भी हरे भरे होंगे। दरअसल भिंड जिले में करीब साढ़े 9 सौ हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई है। जिसमें 500 हेक्टेयर के लिए प्रक्रिया के तहत आवेदन के साथ आगे की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भिंड समेत प्रदेश के करीब 8 जिलों में लैंड बैंक चिह्नित कर आगे प्रकिया की जा रही है। उक्त जमीनें सीआईसी के तहत प्रस्तावित संगम- टू और रामघाट बांध के डूब में आ रहे फारेस्ट के एवज में चिह्नित की गई हैं। जमीन को लेकर प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कहा जा रहा है कि जितने जल्दी जमीन हाथ आएगी, उतनी ही तेजी से सीआईसी के तहत निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ पाएगी।

सीआईसी से प्रभावित हो रहे फॉरेस्ट के बीच अच्छी बात यह कि दो जलाशय संगम वन और पांढुर्ना के भूली में प्रस्तावित बेलेसिंग रिजर्वायर के लिए छिंदवाड़ा जिले में ही लैंड बैंक तैयार हो गया है। इन दोनों जलाशयों के लिए अमरवाड़ा और चौरई क्षेत्र में 268 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि चिह्नित कर ली गई है। दोनों जलाशयों के लिए फॉरेस्ट क्लीयरेंस भी हो गया है।

छिंदवाड़ा के अलावा 8 जिलों में लैंड बैंक

सीआईसी के तहत बनने वाले बांधों के डूब क्षेत्र में आ रहे फारेस्ट के एवज में छिंदवाड़ा जिले के चौरई व अमरवाड़ा के अलावा भिंड, कटनी, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, बालाघाट, धार, उज्जैन और सिंगरोली में जमीन चिह्नित की गई है। संगम टू और रामघाट बांध के एवज में करीब 3 हजार हेक्टेयर भूमि लेकर उसे हराभरा किया जाना है।

वन भूमि व्यपवर्तन... प्रति हेक्टेयर खर्च होंगे 15 लाख रुपए

छिंदवाड़ा इरीगेशन कॉम्प्लेक्स के तहत बांधों के निर्माण में उपयोग किए जा रहे फॉरेस्ट लैंड के एवज में नई जमीन उपलब्ध कराने के साथ ही जल संसाधन विभाग 15 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर खर्च करेगा। यदि राजस्व की जमीन है तो जितनी जमीन है उतनी ही उपलब्ध कराई जाना है, वहीं रेवेन्यू-फॉरेस्ट है तो ली जा रही जमीन से दोगुनी भूमि उपलब्ध करानी होगी।

सीआईसी से 7 ब्लॉकों की दो लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी

सीआईसी के तहत बनने वाले 4 बांधों से छिंदवाड़ा और पांढुर्ना जिले के सात ब्लॉक जुन्नारदेव, छिंदवाड़ा, मोहखेड़, बिछुआ, पांढुर्ना और सौंसर में पानी पहुंचेगा। इन ब्लॉकों की 1 लाख 95 हजार 500 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो सकेगी। गौरतलब है कि अभी पेंच परियोजना से जिले का आधा हिस्सा ही लाभांवित हो पा रहा है।

सीआईसी के बांधों में कहां-कितना फॉरेस्ट आ रहा

संगम बन- कुल डूब क्षेत्र 488 हेक्टेयर, फॉरेस्ट 82 हेक्टेयर आ रहा है। इतने फॉरेस्ट के एवज में अमरवाड़ा क्षेत्र की 93.31 हेक्टेयर जमीन चिन्हित की गई है।

संगमा- कुल डूब क्षेत्र 2848 हेक्टेयर, फॉरेस्ट 1947 हेक्टेयर आ रहा है। इसके लिए प्रदेश के दूसरे लैंड बैंक में तलाश के साथ ही भिंड जिले मैं जमीन के लिए प्रक्रिया की जा रही है।

भूली- कुल डूब क्षेत्र 944 हेक्टेयर, इसमें फॉरेस्ट 136 हेक्टेयर आ रहा है। इसके लिए अमरवाड़ा और चौरई में करीब 175 हेक्टेयर नई जमीन चिन्हित की गई है।

रामघाट- कुल डूब क्षेत्र में फॉरेस्ट 676 हेक्टेयर आ रहा है। इसके लिए प्रदेश के लैंड बैंक व स्थानीय स्तर पर जमीन की तलाश हो रही है।

इनका कहना है

वन भूमि व्यपवर्तन के तहत जमीनों की तलाश के साथ ही प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। छिंदवाड़ा के अलावा 8 जिलों में जमीनें चिह्नित की गई हैं। कुछ में ऑनलाइन आवेदन किए जा चुके हैं। शेष प्रक्रिया भी जारी है।

- कुमकुम कौरव पटेल,
अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग

श्रद्धा सबूरी फाउंडेशन के द्वारा 90प्रतिशत विकलांग राहुल बोपचेको रोजगार खुलवाया

छिंदवाड़ा। श्रद्धा सबूरी फाउंडेशन के संस्थापक यमन साहू ने बताया कि 2017 में काम के दौरान हुए हादसे में विकलांग हुए राहुल बोपचे से मुलाकात पिछले 2 महीने पूर्व हुई थी मैंने उनकी विकलांगता का प्रमाणपत्र देखा तो पता चला कि यह 90 प्रतिशतविकलांग है राहुल ने कहा कि भैया मुझे कुछ काम मिलेगा क्या तो भैया ने पहले दुकान का स्ट्रक्चर बनवाया और फिर सांची दूध डेयरी डेली नीड्स की दुकान खोलने के लिए प्लानिंग बनाई और आज जिला अस्पताल गेट नंबर 2 में राहुल के लिए डेली नीड्स की दुकान का शुभारंभ किया गया श्रद्धा सबूरी फाउंडेशन समय-समय पर लोगों की सहायता करता रहा है ओर आगे भी करता रहेगा।

मां नर्मदा प्रदूषण मुक्ति जन जागृति आंदोलन

भोपाल। म.प्र. कांग्रेस धर्म एवं मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ ने कहा, मां नर्मदा देश सहित महाराष्ट्र एवं गुजरात की जीवन रेखा है तथा नागरिकों की माता स्वरूप आस्था का केंद्र हैं। नर्मदा एकमात्र ऐसी है जिनकी परिक्रमा का विधान शास्त्रों में प्रमाणित है। नर्मदा का संरक्षण एवं प्रदूषण मुक्ति राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। जगह जगह उनकी सहायक नदियों में में उद्योगों, ड्रेनेज की गंदगी मिलाई जा रही है जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से 18 वर्ष पूर्व नर्मदा प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई घोषणाएँ की थी जी अभी तक क्रियान्वित नहीं की जा सकी। एसटीपी(सीवरेज ट्रीटमेंट पाट) नर्मदाके समानान्तर बनाए जाने की घोषणा की गई थी जो 15 वर्ष हो जाने के पश्चात् भी नहीं साकार हो सकी। नर्मदा के प्रमय तटों पर करोड़ वृक्षारोपण की घोषणा केवल कागजों तक सीमित रही। नर्मदा परिक्रमा पथ पर शराब व मांस विक्रम खुलेआम जारी, जिससे श्रद्धालुओं की मावनाएं आहत होती है। चुटका व किंदराई (पंसौर मलक, जिला शिवनी) में नर्मदा तट से मात्र 2 किमी दूरी पर न्यूक्लियर पावर प्लांट प्रस्ताव, जो पर्यावरण, जल एवं मानव स्वास्थ्य के लिए घातक है। नर्मदा तटवर्ती क्षेत्रों में लिफ्ट एनिमेशन न होने से किसान, विशेषकर आदिवासी कृषक, वर्षों से जल संकट व पलायन झेल रहे हैं। स्वयं भू-स्वामी होने के बावजूद भी आदिवासी कृषकों को आजीविका के लिए अन्य प्रदेशों में मजदूरी करने को विवश होना पड़ रहा है। दिन दहाड़े नर्मदा से नीली रेत क्रेनो द्वारा अधिकांश घाटों पर निकाली जा रही है. और 112. 181 पर शिकायत के बाद भी अवैध उत्खनन पर शिकायत दर्ज कराने का प्रावधान ही बंद कर दिया गया है।

बाल श्रम एवं बंधक श्रम उन्मूलन को लेकर बैठक आयोजित

मुरैना। कलेक्टर श्री लोकेश जांगिड़ की अध्यक्षता में बाल श्रम जिला टास्क फोर्स एवं बंधक श्रम जिला सतर्कता समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार, मुरैना में किया गया। बैठक में बंधक श्रम उन्मूलन अधिनियम, 1976 के अंतर्गत जिले में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई तथा विमुक्त श्रमिकों के पुनर्वास की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बाल श्रम एवं बंधक श्रम के प्रभावी उन्मूलन हेतु संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही बाल श्रम की रोकथाम एवं जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एवं बंधक श्रम का उन्मूलन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि बंधक श्रम एवं बाल श्रम के उन्मूलन के लिए कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा विमुक्त श्रमिकों के पुनर्वास से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत, प्रभारी सहायक श्रमायुक्त सुश्री नम्रता सोनी, श्रम निरीक्षक मुरैना श्री राहुल शुक्ला, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती पूनम डंडतिया, विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) से श्री जय सिंह राजपूत सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भभूत समझकर 12वीं की छात्रा ने जहर खाया

मां ने मंदिर में रखी थी चूहा मार दवाई, इलाज के दौरान बेटी की मौत

भोपाल। भोपाल के ईटखेड़ी क्षेत्र में रहने वाली 12वीं कक्षा की एक छात्रा ने पूजा के बाद भभूत समझकर चूहा मारने की दवा खा ली। कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे भानपुर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

घर लौटने के बाद युवती की हालत दोबारा बिगड़ गई, जिसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। घटना 26 जनवरी की बताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मंदिर में रखी चूहामार दवा को समझा भभूत- एएसआई एस.के. बाजपेयी ने बताया कि मृतक छात्रा की पहचान वैष्णवी सेन (17), पुत्री मनोज सेन, निवासी लांबाखेड़ा के रूप में हुई है। वह एक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा थी। 26 जनवरी को घर में बने मंदिर में पूजा के बाद वैष्णवी की मां ने चूहों की समस्या के कारण चूहा मारने की दवा मंदिर में रख दी थी।

कुछ समय बाद वैष्णवी ने वहीं पूजा की और भभूत समझकर पाउडरनुमा चूहामार दवा का सेवन कर लिया।

संपादकीय

क्या आर्थिक समीक्षा के सुझावों से कमजोर होगा 'सूचना का अधिकार' कानून?

सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून ने देश में लोकतंत्र की नींव को और मजबूत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य शासन के कामकाज में पारदर्शिता लाना और जवाबदेही तय करना है। यह देश के नागरिकों को अधिकार देता है कि वे सरकारी तंत्र और उसके कार्यों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। यानी यह कानून सरकार और जनता के बीच सूचना के सेतु के रूप में काम करता है और परस्पर भरोसे का निर्माण करता है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और दोषियों को कानून के कठघरे में लाने की प्रक्रिया में भी इसकी महती भूमिका है। स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी इन विशेषताओं में अगर कमी या कटौती की जाती है, तो निश्चित तौर पर यह कानून कमजोर होगा। यह मसला इसलिए चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि संसद में हाल में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में आरटीआइ कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है। तर्क दिए गए हैं कि इस कानून में कुछ ऐसे प्रावधान किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि गोपनीय रपट और मसविदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त की जा सके। गौरतलब है कि लंबे समय से सूचना के अधिकार की मांग के मद्देनजर वर्ष 2005 इससे संबंधित कानून को लागू किया गया था। इसके तहत देश का हर नागरिक सरकारी विभाग और संस्थाओं से उनके कामकाज, योजनाओं एवं उनके प्रभाव, वित्तीय स्थिति तथा नियमों आदि की जानकारी मांग सकता है। संबंधित अधिकारी तय समय के भीतर यह सूचना उपलब्ध कराने के लिए बाध्य होते हैं। मगर समय के साथ सरकारी तंत्र की उदासीनता, लापरवाही और निहित स्वार्थों के कारण जानकारी छिपाने के प्रयासों से इस कानून की प्रभावशीलता में कमी देखी गई है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में आर्थिक समीक्षा रपट में सूचना के अधिकारों का फिर से अध्ययन करने और कुछ मामलों में छूट हासिल करने की वकालत ने चिंता के स्तर को और बढ़ा दिया है। एक तरफ सरकार जब अपने कामकाज में 'पारदर्शिता लाने' और भ्रष्टाचार को लेकर 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाने पर जोर देती हो और दूसरी तरफ सूचना के अधिकारों को सीमित करने का प्रयास किया जाए, तो यह नीति और नीयत के बीच विरोधाभास पैदा करता है। आर्थिक समीक्षा में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरटीआइ अधिनियम का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका उद्देश्य बाहर बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना या उसे नियंत्रित करना था। यह बात सही है कि बिना कारण या सरकार के कामकाज में किसी सुनियोजित तरीके से बाधा उत्पन्न करने के लिए इस कानून का सहारा लेना उचित नहीं है। मगर सवाल यह है कि इस तरह आरटीआइ कानून का दुरुपयोग करने वालों की तादाद कितनी होगी? जाहिर है, इसमें कुछ खास वर्ग के चंद लोग ही शामिल होंगे, पर क्या उन पर अंकुश लगाने के लिए सभी नागरिकों के सूचना के अधिकार को सीमित किया जाना चाहिए?

ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

-कमलेश पांडे

दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुनः प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है! जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिन: की गारंटी निर्भर है। इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ 9 महीने बाद ही सही पर पुनः काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है! इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुनः जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुनः परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50% तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और अमेरिका फर्स्ट नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया। और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को खास बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की चुप्पी कूटनीति और एससीओ (स्ष्टह) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई। कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50% से घटकर 18 प्रतिशत हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25 प्रतिशत दंड समाप्त हुआ। जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है। इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25% अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे। इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान स्ष्टह जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50% टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20% वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति बाधा बनी हुई है। इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत-अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद-प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा। टैरिफ तनाव के बावजूद रक्षा सहयोग बढ़ रहा है।

संसद की गरिमा को बचाने की ज़रूरत

-प्रो. संजय द्विवेदी

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मर्यादाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मर्यादाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है।

इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मर्यादाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं।

दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

-नीरज कुमार दुबे

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरुआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे।

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।

हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया।

बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए। अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है। सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।

सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।

बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरुआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे। अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा। हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे।

मुनाफे की महक के लिए करें फूलों का बिजनेस

नए बिजनेस ऑप्शन्स की तलाश कर रहे लोगों के लिए फूलों का बिजनेस एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इस बिजनेस में मुनाफा भी अच्छा है।

हींग लगे न फिटकरी, रंग चोखा.हम सालों से अपने बड़े और बुजुर्गों से ये कहावत सुनते आ रहे हैं। लेकिन, कुछ ही क्षेत्र ऐसे हैं, जहां ये कहावत व्यावहारिक नजर आती है। फूलों का बिजनेस भी उन्हीं में से एक है, जहां एक छोटा सा निवेश आपको बड़ा मुनाफा दिला सकता है। आज हम आपको इसी बिजनेस आइडिया पर जानकारी देंगे। हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फूलों का बिजनेस शुरू कर अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकते हैं। तो चलिए, जानकारियों का ये सफर शुरू करते हैं, मगर इस बीच ये भी जान लेते हैं कि इस ब्लॉग में आपको फूलों के बिजनेस पर कौन सी अहम जानकारियां दी जाएंगी।

फूलों के बिजनेस पर एक नजर

मौजूदा समय में फूलों का बिजनेस एक अच्छा आइडिया है। इस बिजनेस में फूलों के अलावा फूलों से बनी मालाएं और गुलदस्ते आदि बनाकर बेचे जाते हैं। सामान्य तौर पर हमारे देश में गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा, मोगरा और उस जैसे दूसरे फूल पॉपुलर हैं। आमदनी और मुनाफे के लिहाज से ये एक अच्छा विकल्प है।

फूलों का उपयोग

- मांगलिक कार्यक्रम
- धार्मिक अनुष्ठान
- सामाजिक आयोजन
- सरकारी कार्यक्रम
- जन्मदिन व सालगिरह जैसे अन्य आयोजन

स्कोप

- साल भर डिमांड
- कम निवेश में ज्यादा मुनाफा
- लगभग सभी आयोजनों में जरूरत

पॉपुलर फूल

भारत में फूलों की ढेरों प्रजातियां हैं। लेकिन, इस बिजनेस में कुछ चुनिंदा फूलों की भारी मांग है। इनमें गुलाब, गेंदा, मोगरा, दहेलिया, रजनीगंधा, लिली, गोल्डन रॉड, ऑर्किड और गेरबेरा जैसे फूल अहम हैं।

लाइसेंस/ रजिस्ट्रेशन

किसी अन्य बिजनेस की तरह फूलों का बिजनेस शुरू करने के लिए भी आपको स्थानीय प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ेगी। आप नगर निगम, नगर पंचायत या ग्राम पंचायत जैसे स्थानीय निकायों में इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। फूलों की दुकान करने के लिए ट्रेड लाइसेंस लेना उचित रहेगा।

जगह की आवश्यकता

महज 150 से 300 स्क्वायर फीट की जगह में आप इस बिजनेस को शुरू कर सकते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन ऑर्डर लेकर घर से भी इस बिजनेस को चला सकते हैं।

प्रशिक्षण

वैसे तो फूलों और फूलों की मालाएं बनाने व बेचने के लिए किसी विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है। लेकिन, यदि आप गुलदस्ते आदि बेचने के बारे में सोच रहे हैं, तो किसी फ्लॉरिस्ट के यहां कुछ समय काम करना आपके बिजनेस के लिए फायदेमंद साबित होगा। इसे आप अपने बिजनेस की छोटी सी ट्रेनिंग के रूप में देख सकते हैं।

लागत

जानकारों की मानें, तो केवल 15 से 20 हजार की छोटी सी पूंजी के साथ इस बिजनेस को शुरू किया जा सकता है। हालांकि, यदि आप कोई दुकान किराए पर लेते हैं और फर्नीचर तैयार करते हैं, तो आपको करीब 15 से 2 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। वहीं, बड़े स्तर पर फूलों का शोरूम खोलने के लिए आपको 10 लाख से भी ज्यादा इन्वेस्ट करने होंगे।

मुनाफा

मुनाफे के लिहाज से ये बिजनेस काफी अच्छा है। आप इस काम में 50 प्रतिशत या उससे ज्यादा का मुनाफा कमा सकते हैं। जानकारों के मुताबिक, ये उन चुनिंदा व्यवसायों में से एक है, जिसमें दोगुना मुनाफा भी संभव है। यदि आप खुद फूलों की खेती कर इस व्यवसाय को अंजाम देते हैं, तो आपका प्रॉफिट मार्जिन और भी बेहतर हो सकता है।

लोन और सब्सिडी

भारत सरकार फूलों की खेती और उससे जुड़े व्यवसाय को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रही है। आपको बता दें कि इस इंडस्ट्री को 100 प्रतिशत एक्सपोर्ट ओरिएन्टेड स्टेटस भी दिया गया है। यदि सब्सिडी की बात की जाए, तो राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत छोटे व सीमांत किसानों के लिए फूलों की खेती पर 40 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान है। वहीं सामान्य किसानों को 25 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाती है।

शार्ट टर्म कोर्स करिये और बारटेंडिंग में मजेदार कॅरियर बनाइए

अगर आप बारटेंडिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे हैं तो आप ग्रेजुएशन के बाद बारटेंडिंग का कोर्स कर सकते हैं। अधिकतर संस्थानों में कोर्स के एडमिशन के लिए इंटरव्यू लिया जाता है। उसके क्लीयर होने के बाद कोर्स कर सकते हैं। बारटेंडिंग का कोर्स शार्ट टर्म होता है।

वो जमाने लद गए, जब युवा महज डॉक्टर, इंजीनियर बनना चाहते थे या फिर वह नौ से पांच की जॉब करके संतुष्ट हो जाते थे। लेकिन बदलते जमाने के साथ अब युवा भी एक्सपेरिमेंटल होने लगे हैं। वह ऐसे क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं तलाशते हैं, जो लीक से हटकर व मजेदार हो। ऐसा ही एक क्षेत्र है बारटेंडिंग। यह क्षेत्र महज लोगों की डिंक्स बनाने तक ही सीमित नहीं है। यहां पर आप काफी कुछ कर सकते हैं। यह क्षेत्र सिर्फ लड़कों के ही नहीं है, अब इस क्षेत्र में लड़कियां भी अपना भविष्य देखने लगी हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या होता है काम - आमतौर पर लोग समझते हैं कि एक बारटेंडर का काम महज शराब परोसना होता है, लेकिन वास्तव में इनका काम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। वह कई तरह की डिंक्स को बेहद अलग अंदाज में परोसते हैं। साथ ही उन्हें कई तरह की डिंक्स को आपस से मिलाकर एक नई डिंक्स को तैयार करना होता है। आप कस्टमर से कितनी अच्छी तरह डील करते हैं, यह भी आपके काम का ही एक हिस्सा है।

स्किल्स - एक बारटेंडर का काम देखने में भले ही आसान लगता हो, लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए आपमें कई तरह के स्किल्स होने जरूरी हैं। मसलन, आपको

अलग-अलग तरह की डिंक्स व उनकी मिक्सिंग के बारे में पता होना चाहिए। जानकारी के अलावा आपका हार्डवर्क, स्मार्टनेस, समझदारी, और कस्टमर को संतुष्ट करने का कौशल आपको आगे लेकर जाता है। वहीं आप पूरी तरह आत्मविश्वास से भरपूर होने चाहिए ताकि आप कस्टमर्स से बेहतर तरीके से डील कर पाएं।

योग्यता - अगर आप बारटेंडिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे हैं तो आप ग्रेजुएशन के बाद बारटेंडिंग का कोर्स कर सकते हैं। अधिकतर संस्थानों में कोर्स के एडमिशन के लिए इंटरव्यू लिया जाता है। उसके क्लीयर होने के बाद कोर्स कर सकते हैं। बारटेंडिंग का कोर्स शार्ट टर्म होता है। इसके अतिरिक्त होटल मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं - आज के समय में जिस तरह पब्स और बार्स की तादाद बढ़ रही है, उसके कारण इस क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। आप इस क्षेत्र में पार्ट टाइम भी काम कर सकते हैं। वैसे एक बारटेंडर सिर्फ पब्स में ही नहीं, बल्कि रेस्टोरेंट, नाइट क्लब्स, पार्टीज, रिसार्ट आदि में काम कर सकते हैं। जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता जाता है, आप विदेशों में भी काम के अवसर तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त अनुभवी बारटेंडर खुद का स्कूल भी खोल सकते हैं या फिर किसी लिकर कंपनी में बतौर कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

आमदनी - इस क्षेत्र में आपकी शुरूआती आमदनी दस से बारह हजार प्रतिमाह होती हैं, लेकिन समय व अनुभव के साथ आपकी आमदनी में इजाफा होता जाता है। एक अनुभवी प्रोफेशनल बारटेंडर लाखों में भी कमा सकता है। वैसे इस क्षेत्र में आमदनी के साथ-साथ आपको अलग से टिप भी मिलती है, जिसके कारण आपकी आमदनी लगभग दोगुनी से भी ज्यादा हो जाती है।

प्रमुख संस्थान

- आईएचएम, मुंबई
- कॉकटेल्स एंड डिम्स, दिल्ली
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बारटेंडिंग,
- एफएमबीए, विभिन्न केन्द्र
- फिलप एंड मिक्स बारटेंडिंग एकेडमी, मोहाली
- मिक्सोफलेयर इंस्टीट्यूट ऑफ बेवरेज स्टडीज, नागपुर
- लिक्विड आर्ट बारटेंडिंग स्कूल, हैदराबाद

छोटी सी आमदनी से शुरू करें यह बिजनेस कमाएं लाखों

हर्बल कॉस्मेटिक मैन्युफैक्चरिंग में आप साबुन से लेकर क्रीम, शैम्पू, तेल और न जाने कितनी ही चीजों का निर्माण कर सकते हैं। अपने काम के दौरान आपको कई तरह की जड़ी-बूटियों जैसे चंदन, हल्दी, तुलसी, नीम, एलोवेरा, नारियल तेल, लौंग आदि की आवश्यकता होगी।

पिछले कुछ समय से लोग केमिकल युक्त चीजों का इस्तेमाल करना कम पसंद करते हैं, जिसके कारण हर्बल प्रॉडक्ट्स की मार्केट बढ़ी है। यहां तक कि कई तरह की केमिकल युक्त प्रॉडक्ट बनाने वाली कंपनी भी अपने प्रॉडक्ट्स में हर्बल चीजों को शामिल करने लगी है। यह एक ऐसा बिजनेस है, जिसमें आप कम आमदनी के साथ काम शुरू कर सकते हैं और धीरे-धीरे अपना बिजनेस बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे रखें अपना पहला कदम

कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में कदम रखना चाहते हैं तो पहले आपको हर्बल कॉस्मेटिक मैन्युफैक्चरिंग का प्रशिक्षण हासिल करना होगा। यूं तो कई संस्थान हर्बल कॉस्मेटिक मैन्युफैक्चरिंग का प्रशिक्षण देते हैं। लेकिन आप मानव संसाधन विकास मंत्रालय और लघु उदयोग मंत्रालय द्वारा खोले गए प्रशिक्षण संस्थान में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण लगभग एक माह का होता है और इसे आयु, योग्यता की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। अर्थात अगर आप अशिक्षित या अधिक उम्र के भी हैं और अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं तो नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

लागत व सामान

यह एक ऐसा स्वरोजगार है, जिसमें आप कम लागत में भी काम शुरू कर सकते हैं। शुरूआती दौर में आप पचास हजार से एक लाख रूपयों से काम शुरू कर सकते हैं। अगर आपके पास मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है तो आप सरकार द्वारा ऋण भी प्राप्त कर सकते हैं। हर्बल कॉस्मेटिक मैन्युफैक्चरिंग में आप साबुन से लेकर क्रीम, शैम्पू, तेल और न जाने कितनी ही चीजों का निर्माण कर सकते हैं। अपने काम के दौरान आपको कई तरह की जड़ी-बूटियों जैसे चंदन, हल्दी, तुलसी, नीम, एलोवेरा, नारियल तेल, लौंग आदि की आवश्यकता होगी। साथ ही कच्चे माल के अतिरिक्त जरूरी बर्तन, गरम करने के लिए गैस और एक कमरे की जरूरत भी आपको पड़ेगी।

सफलता का सूत्र

अगर आप अपने बिजनेस को सफलता की बुलंदियों पर पहुंचाना चाहते हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। सबसे पहले तो शुरूआत में बहुत अधिक पैसा खर्च न करें, बल्कि सभी जरूरी चीजों को पहले खरीदें। इसके अतिरिक्त सामान की क्वालिटी के साथ कभी समझौता न करें क्योंकि अंत में आपका प्रॉडक्ट ही आपको एक पहचान और पैसा दिलाएगा। बेहतर क्वालिटी के प्रॉडक्ट बनाने के साथ उसकी पैकेजिंग पर भी उतना ही ध्यान देना जरूरी है। आपने सुना भी होगा कि जो दिखता है, वही बिकता है। इसलिए अगर पैकेजिंग खास नहीं होगी तो माल बिकना उतना आसान नहीं होगा। और अंत में, पढ़ने में भले ही यह स्वरोजगार आसान लगे लेकिन इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम, धैर्य और काम के प्रति डेडीकेशन होना बेहद जरूरी है। अगर आपमें यह गुण है तो आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य अवश्य चमका सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- खादी एंड विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, गांधी आश्रम, राजघाट, नई दिल्ली
- खादी एंड विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, कनाट प्लेस
- डॉ.बी.आर.अंबेडकर इंस्टीटयूट ऑफ रूरल टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, त्रियंबक विद्या मंदिर, नासिक
- डॉ.जेसी कुमारप्पा इंस्टीटयूट ऑफ रूरल टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट, गांधी निकेतन आश्रम, काली पट्टी, मदुरै, तमिलनाडु
- मल्टी डिसिप्लिनरी ट्रेनिंग सेंटर, दूरवानी नगर, बेंगलुरू, कर्नाटक

समय के साथ जिस तरह इंटरनेट का प्रयोग बढ़ा है, उसी तरह क्राइम भी अब डिजिटल होता जा रहा है। आपके अक्सर लोगों के पासवर्ड, साइट या सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने की बात सुनी होगी। इतना ही नहीं, कई बार तो इंटरनेट की मदद से बैंक फ्रॉड को भी अंजाम देते हैं। इस साइबर क्राइम पर लगाम लगाने के लिए अब एक्सपर्ट की भारी मात्रा में जरूरत महसूस होने लगी है।

साइबर की दुनिया में दिलचस्प कॅरियर है एथिकल हैकिंग

एक बेहतरीन एथिकल हैकर बनने के लिए व्यक्ति में कई तरह के स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो उसे कंप्यूटर व इंटरनेट की गहन जानकारी होनी चाहिए। साथ ही वह हर दिन अपडेट होती तकनीक से भी वाकिफ रहे। इस क्षेत्र में सफलता के लिए टेक्निकल नॉलेज के साथ-साथ आपके सोचने का तरीका भी जबरदस्त होना चाहिए। समय के साथ जिस तरह इंटरनेट का प्रयोग बढ़ा है, उसी तरह क्राइम भी अब डिजिटल होता जा रहा है। आपके अक्सर लोगों के पासवर्ड, साइट या सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने की बात सुनी होगी। इतना ही नहीं, कई बार तो इंटरनेट की मदद से बैंक फ्रॉड को भी अंजाम देते हैं। इस साइबर क्राइम पर लगाम लगाने के लिए अब एक्सपर्ट की भारी मात्रा में जरूरत महसूस होने लगी है। इसे ही एथिकल हैकिंग कहा जाता है। एथिकल हैकर साइट को दूसरे हैकर्स से सुरक्षित बनाने और साइबर क्राइम होने पर क्रिमिनल को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक एथिकल हैकर का मुख्य काम कंपनी के कंप्यूटर सिस्टम की सुरक्षा को जांचने का होता है, ताकि वह कंपनी का डाटा हैक होने या चोरी होने से बचा सके। साथ ही कंप्यूटर सिस्टम के उन लूपहोल्स का पता लगाते हैं, जिसके कारण दूसरे हैकर साइबर क्राइम को अंजाम देते हैं। इसके अतिरिक्त किसी तरह का साइबर क्राइम होने पर भी वह साइबर क्रिमिनल को पकड़ने में हरसंभव मदद करते हैं।

स्किल्स

एक बेहतरीन एथिकल हैकर बनने के लिए व्यक्ति में कई तरह के स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो उसे कंप्यूटर व इंटरनेट की गहन जानकारी होनी चाहिए। साथ ही वह हर दिन अपडेट होती तकनीक से भी वाकिफ रहे। इस क्षेत्र में सफलता के लिए टेक्निकल नॉलेज के साथ-साथ आपके सोचने का तरीका भी जबरदस्त होना चाहिए। जिस तरह एक चोर को पकड़ने के लिए चोर की तरह सोचना पड़ता है, ठीक उसी साइबर की दुनिया में भी एथिकल हैकर को क्रिमिनल की तरह सोचना चाहिए। तभी वह नए दौर में होने वाले साइबर क्राइम को समझकर उसे रोकने में सक्षम हो पाएगा। इस क्षेत्र में कई बार आपको लंबे समय तक काम करना पड़ता है या फिर जरूरत पड़ने पर गैर टाइम भी अपनी सेवाएं देनी पड़ती है। इसलिए एक कॉल पर भी काम करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए।

योग्यता

जो छात्र इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे हैं, वह ग्रेजुएशन के बाद एथिकल हैकिंग का कोर्स कर सकते हैं। वैसे कुछ जगहों पर यह कोर्स 12वीं के बाद भी करवाया जाता है। एथिकल हैकिंग के कोर्स के दौरान छात्रों को इंटरनेट व साइबर सिक्योरिटी से संबंधित छोटी से छोटी जानकारी प्रदान की जाती है।

संभावनाएं

एथिकल हैकर्स के लिए काम की कोई कमी नहीं है और आने वाले समय में इनकी मांग बढ़ती ही जाएगी। आप कोर्स के बाद सेना, पुलिस, खुफिया विभाग, फॉरेंसिक डिपार्टमेंट व अन्य सरकारी विभागों में अपनी सेवाएं दे सकते हैं। आजकल तो साइबर क्राइम से निपटने के लिए अलग से साइबर सेल मौजूद है, वहां पर हमेशा ही योग्य एथिकल हैकर्स की जरूरत रहती है। इसके अतिरिक्त आप बड़ी-बड़ी आईटी कंपनियों, कम्युनिकेशन कंपनियों, जासूस एजेंसियों व अन्य कई तरह की कंपनियों में भी काम की तलाश कर सकते हैं।

आमदनी

जिस तरह आज के समय में एथिकल हैकर्स की मांग बढ़ रही है, उसके कारण उन्हें काफी अच्छा सैलरी पैकेज ऑफर किया जाता है। आप शुरूआत में ही 30000 से 40000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता जाता है, आपकी आमदनी लाखों में ही हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एथिकल हैकिंग
- इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन सिक्योरिटी
- मद्रास यूनिवर्सिटी
- एसआरएम यूनिवर्सिटी
- सीईआरटी

वाहन खड़ा करने के विवाद में मारपीट

पुलिस सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान में जुटी

सिंगरौली। जिले के बैढ़न स्थित माजन मोड़ चौराहे पर शनिवार की रात एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की घटना सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि यह स्थान पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बेहद नजदीक है, इसके बावजूद असामाजिक तत्वों में कानून का कोई खौफ नजर नहीं आया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया है।

जानकारी के अनुसार, युवक द्वारा वाहन खड़ा करने को लेकर

कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। मामूली धक्का लगने की बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने युवक को चारों ओर से घेरकर पीटना शुरू कर दिया। हमलावरों ने उसे लात-घूंसे और हाथों से बेरहमी से पीटा। युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर मौके से वाहन छोड़कर भागने में सफल रहा। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि खुले चौराहे पर युवक के साथ मारपीट की जा रही है। घटना स्थल के सामने पुलिस का सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ है। नवानगर थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल पटेल ने बताया कि विडियो के बारे में मुझे जानकारी मिली है और माजन तक गया भी था लेकिन अभी तक कोई शिकायत पत्र नही मिला है। शिकायत मिलने पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

जयंत तिराहा पर खाईनुमा गड्ढा, हर पल हादसे का खतरा

सिंगरौली। एनसीएल जयंत क्षेत्र के मुख्य जयंत तिराहा पर सड़क के बीचों-बीच बना खाईनुमा गड्ढा दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है। यह गड्ढा कई दिनों से मौजूद है लेकिन एनसीएल प्रबंधन जयंत द्वारा अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। इससे रोजाना गुजरने वाले वाहन चालकों, विशेषकर मोटरसाइकिल सवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय वाहन चालकों ने बताया कि जयंत तिराहा क्षेत्र काफी व्यस्त मार्ग है,जहां से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं।

41 दिव्यांग हितग्राहियों को मिला मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी

सिंगरौली। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सिंगरौली एवं सीआरसी छतरपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पर्पल फेयर ने यह स्पष्ट कर दिया कि दिव्यांगता कोई कमजोरी नहीं बल्कि साहस, संकल्प और असाधारण प्रतिभा की पहचान है। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा बल्कि समाज की जड़ हो चुकी सोच को तोड़ने वाला सशक्त और प्रेरक संदेश बनकर सामने आया। कार्यक्रम जिला प्रशासन के सहयोग से अटल सामुदायिक भवन बिलौंजी बैढन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित प्रदर्शनी के अवलोकन, दीप प्रज्ज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद दिव्यांग प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे परिसर को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। इस अवसर पर एडिप योजना के अंतर्गत 41 दिव्यांग हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए। ये उपकरण केवल सुविधा ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राधा सिंह राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में रामनिवास शाह सदर विधायक, राजेन्द्र मेश्राम विधायक देवसर, दिलीप शाह अध्यक्ष विकास प्राधिकरण,जगदीश कुमार गोमे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,देवेश पांडे अध्यक्ष नगर निगम सहित अन्य मौजूद रहे।

खेलो एमपी यूथ गेम्स में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से प्रशिक्षित तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन

दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदाय के बच्चों ने रजत पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के विभिन्न स्तरों ब्लॉक, जिला, संभाग, राज्य पर 11 से 31 जनवरी तक आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 में जिले के विक्रम सिंह, रोहित गुप्ता एवं सूर्यबली सिंह ने अलग-अलग स्पर्धाओं में रजत पदक जीतकर अपने स्कूल, परिवार,गांव और जिले का नाम रोशन किया है। अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से खनुआ गांव स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में संचालित स्पोर्ट्स अकादमी में अनुभवी कोचों के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास के बल पर इन बच्चों ने जबलपुर स्थित रानीताल में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिताओं में रजत पदक

जीतकर राज्य स्तर पर अपनी उपलब्धियां दर्ज कराई हैं। सभी विजेता खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, प्रशिक्षकों और अदाणी फाउंडेशन स्पोर्ट्स अकादमी को दिया। बच्चों और उनके अभिभावकों का कहना है कि यदि अदाणी फाउंडेशन की सीएसआर टीम ने यह पहल न की होतीए तो शायद वे इस मुकाम तक नहीं पहुँच पाते। सीएसआर के तहत वर्ष 2023-24 में बंधौरा स्थित पावर प्लांट तथा धिरौली और सुलियरी स्थित परियोजनाओं के आसपास के गांवों के इच्छुक बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अदाणी फाउंडेशन स्पोर्ट्स अकादमी की शुरुआत हायर सेकेंडरी स्कूल खनुआ परिसर से की गई।

खो-खो, कबड्डी, तीरंदाजी, ऊंची कूद और वॉलीबॉल जैसे खेलों में स्थानीय आदिवासी समुदाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुशल एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि उनके सपनों को नई उड़ान मिल सके। उल्लेखनीय है कि अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित इस अकादमी के माध्यम से अब तक कुल 122 स्कूली छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा : रामनिवास

देवरा पुलिया के पास रिटेनिंग वॉल निर्माण का भूमि पूजन,जलभराव से मिलेगी राहत

सिंगरौली। नगर विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सिंगरौली विधायक ने नगर पालिका निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 29 अंतर्गत देवरा पुलिया के पास आरसीसी रिटेनिंग वॉल निर्माण एवं बैंक फिलिंग कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। लगभग 8.07 लाख रुपये की लागत से किए जाने वाले इस कार्य का उद्देश्य क्षेत्र को जलभराव की समस्या से राहत दिलाना तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बरसात के मौसम में देवरा पुलिया के आसपास पानी भर जाने से आवागमन में कठिनाई होती थी और दुर्घटनाओं

की आशंका बनी रहती थी। रिटेनिंग वॉल के निर्माण से न केवल मिट्टी कटाव रुकेगा बल्कि सड़क और आसपास के रहवासी क्षेत्रों को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय,वार्ड पार्षद रामनरेश शाह सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह परियोजना वार्ड की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाएगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान करेगी। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। आमजन की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि रिटेनिंग वॉल बनने से बरसात में होने वाली परेशानी से निजात मिलेगी और क्षेत्र का विकास नई गति पकड़ेगा। जनहित और क्षेत्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

खड़िया परियोजना में डोजर मशीन में लगी भीषण आग

चालक झुलसा,50 लाख कीमत की मशीन जलकर खाक, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

सिंगरौली । एनसीएल परियोजना खड़िया के खदान में गत दिवस की रात डोजर मशीन में आग लग गई। जहां देखते ही देखते आग इतनी बेकाबू हुई की उस पर काबू पाने के लिए फायरब्रिग्रेड को काफी मशक्कत करनी पड़ी।वहीं हादसे में चालक भी झुलस गया है।

जानकारी के अनुसार एनसीएल की खड़िया परियोजना में गत दिवस की रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खदान के अंदर कार्यरत एक डोजर मशीन में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी मशीन जलकर खाक हो गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में एनसीएल को 50 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। हादसे के समय डोजर मशीन का चालक मशीन के भीतर ही मौजूद था। आग की लपटें उठते ही वह झुलस गया लेकिन सूझबूझ दिखाते हुए समय

रहते मशीन से कूदकर अपनी जान बचा ली। घायल चालक को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। डोजर मशीन में आग लगने की यह घटना खड़िया परियोजना की खदान के अंदर हुई, जिससे एक बार फिर एनसीएल की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। खनन क्षेत्र में भारी मशीनों की नियमित तकनीकी जांच और अग्नि सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता को लेकर पहले भी चिंताएं जताई जाती रही हैं। इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं होना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। हलांकि इस मामले में अधिकारिक तौर पर एनसीएल से पुष्टि नही हो पाई है लेकिन खदान में कार्य करने वाले एनसीएल कर्मियों ने नाम न छापने की शर्त पर घटना की पुष्टि की है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खड़े हो रहे सवाल

इस घटना ने खनन क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जांच में क्या निष्कर्ष सामने आते हैं और एनसीएल प्रबंधन भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाता है। हालांकि यह भी चर्चा है कि एनसीएल प्रबंधन की लापरवाही से कई बेशकीमती मशीने पूर्व में भी तबाह हो चुकी हैं। कहीं न कहीं एनसीएल प्रबंधन की लापरवाही मानी जा रही है।

बरका तिराहा से 63 लीटर अवैध शराब व कार जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली । बरका तिराहा से सरई पुलिस ने 63 लीटर अवैध शराब, कार के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सरई थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह भदौरिया ने की है। बताया गया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बरका की ओर से दो व्यक्ति एक स्लेटी रंग की कार में अवैध शराब लेकर बरका तिराहा की तरफ आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से 4 कार्टून देशी प्लेन मदिरा एवं 3 कार्टून देशी लाल मसाला शराब बरामद की गई। कुल 63 लीटर अवैध शराब, जिसकी कीमत लगभग 31 हजार रुपये बताई जा रही है। साथ ही कार की कीमत लगभग 2 लाख रुपये भी जप्त की गई। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम बच्चालाल वैश्य 30 वर्ष एवं नवीन वैश्य 24 वर्ष निवासी ग्राम गन्नई चौकी बरका थाना सरई बताया है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

विकसित भारत जी राम जी योजना बनेगी समृद्धि का आधार : विश्वामित्र

देवसर में विकसित भारत जी राम जी एवं केंद्रीय बजट पर कार्यशाला आयोजित

सिंगरौली। मंगल भवन देवसर में विकसित भारत जी राम जी एवं केंद्रीय बजट पर मंडल नौढ़िया एवं जियावन की संयुक्त कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में विश्वामित्र पाठक विधायक सिहावल मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यशाला में सर्वप्रथम मां भारती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पंण्डीनदयाल उपाध्याय जी व श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यशाला की विधिवत शुरुआत हुई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने व्हीबी जी राम जी योजना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना लोगों को रोजगार तथा उनकी समृद्धि एवं गांवों के समग्र विकास का आधार बनेगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि इस योजना को जन जन तक पहुचाने, योजना के लाभ से जन जन को अवगत कराने एवं इस योजना से ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले रोजगार तथा ग्रामों में अधोसंरचना विकास के बारे में लोगों को भली भांति अवगत कराएं तथा ग्रामों के समग्र विकास में सहभागिता निभाएं।

क्षेत्रीय विधायक ने केंद्रीय बजट 2026-27 के प्रावधानों नीतियों एवं उसके सामाजिक आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बजट ग्रामीण अर्थ व्यवस्था बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने वाला तथा आमजन की समृद्धि गांवों के समग्र विकास एवं विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला बजट है।

एसपी कार्यालय में लगा स्वास्थ्य शिविर

100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने कराया परीक्षण

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में रविवार को एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में संपन्न हुआ। शिविर में ओम साई हॉस्पिटल मल्टीस्पेशलिटी की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम द्वारा पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सक दल में डॉ. ऋषभ दुबे गायनेकोलॉजिस्ट, डॉ. विनोद कुमार विश्वकर्मा जनरल फिजिशियन, डॉ. राम प्रसाद विश्वकर्मा एमडी मेडिसिन तथा डॉ. श्यामदीन डेंटल सर्जन शामिल रहे। शिविर के दौरान उपस्थित लोगों का ब्लड प्रेशर, शुगर,पल्स, ऑक्सीजन लेवल सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके साथ ही मौसमी बीमारियों से बचाव,नियमित जांच की आवश्यकता तथा संतुलित आहार व पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर में सूबेदार आशीष तिवारी सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं उनके परिवार के लगभग 100 सदस्यों ने स्वास्थ्य परीक्षण व परामर्श का लाभ उठाया।

गजमोचन फिलिंग स्टेशन पुल के पास दो बाइक सवार आपस में भिड़े

सिंगरौली। गजमोचन फिलिंग स्टेशन पुल के पास हादसे में दोनों बाइक सवारो को मामूली चोटे आई हालांकि गनीमत यह रही कि बाइक सवार हेलमेट पहने हुए थे, जिससे किसी को गंभीर चोट नहीं आई। टक्कर के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। दुर्घटना को देखते ही सड़क पर जा रहे लोगो ने बीच सड़क से हटाया जिससे यातायात पुनः सुचारु हो सका। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया।

मोरवा में 42 ग्राम हेरोइन के साथ महिला सहित दो गिरफ्तार

सिंगरौली। मोरवा पुलिस ने बीती रात अवैध मादक पदार्थ 42 ग्राम हेरोइन के साथ एक महिला व एक पुरूष को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक स्कूटी भी जब्त की है। वहीं जब्त हेरोइन की कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है। यह कारवाही एसपी के निर्देश पर मोरवा थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी ने की है।

जानकारी अनुसार शनिवार 7 फरवरी को मोरवा निरीक्षक कपूर त्रिपाठी को सूचना मिली कि एक लाल रंग की स्कूटी से हेरोइन की बिक्री के लिए परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी के द्वारा गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर घेराबंदी की। जहां संदेह के आधार पर लाल रंग की स्कूटी क्रमांक

एमपी 66जेडई 2289 को रोका । स्कूटी चला रही महिला फुलकुमारी बसोर उम्र 31 वर्ष निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा एवं पीछे बैठा युवक अब्दुल इस्मत बेग उम्र 26 वर्ष निवासी सोलंग थाना मोरवा को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई।जहां उनके कब्जे से 42 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया। जिसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये आंकी गई है । दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में सउनि संतोष सिंह, संजीत सिंह चौहान, सुनील दुबे, प्रआर श्याम सुंदर, अर्जुन सिंह, महिला प्रआर शकुन्तला यादव, आर. आकाश पटेल, सौरभ सिंह, रियाज आलम, संजीव एवं राकेश यादव शामिल रहे।

राखड़ परिवहन पर प्रशासन बेअसर ,परसोना से बरगवां तक सड़कों पर बिखरा प्रदूषण

सिंगरौली। जिले में राखड़ फ्लाई ऐश का परिवहन करने वाले वाहनों पर प्रशासन की सख्ती नजर नहीं आ रही है, जिससे परसोना से लेकर बरगवां तक मुख्य मार्गों पर राखड़ बिखरी पड़ी है। भारी वाहनों से गिर रही राखड़ के कारण सड़कें धूल से पट गई हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि सड़क पर चलना तक मुश्किल हो गया है और उड़ती धूल से वातावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राखड़ परिवहन करने वाले कई वाहन बिना कवर और ओवरलोड होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। परिवहन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

धनुष के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच इस एक्टर ने मृणाल पर बरसाए फूल

वैलेंटाइन वीक चल रहा है और शनिवार को 'रोज डे' था। इस दिन लवर्स अपने पार्टनर को फूल गिफ्ट करते हैं। ऐसे में 'रोज डे' के दिन मृणाल ठाकुर पर उनके को-एक्टर ने एक नहीं, बल्कि दो बार फूलों की बारिश करवाई। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में दिखाई देंगे। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी मूवी के प्रमोशन के लिए मुंबई में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस बीच सिद्धांत ने एक नहीं, दो बार मृणाल पर फूलों की बारिश की। एक बार तब, जब वे इवेंट के दौरान फैंस से बातचीत कर रहीं थीं और दूसरी बार स्टेज पर। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा था। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा था कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। हालांकि, मृणाल ठाकुर इन खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। उन्होंने इन खबरों को सिर्फ अफवाह का नाम दिया है। मृणाल ठाकुर की अपकमिंग फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मृणाल की फिल्म डकैत पाइपलाइन में है। इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक, बोलीं- हम मशीन नहीं हैं

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है। अमर उजाला से हुई बातचीत में अदिति राव हैदरी कहती हैं, 'मुझे लगता है कि यह हर व्यक्ति की अपनी पसंद है। अगर कोई कलाकार तय घंटे तक काम करना चाहता है, तो यह उसका पूरा हक है। अगर कोई अलग तरह से काम करना चाहता है, तो वह भी उसकी अपनी पसंद है।' वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।' अदिति राव हैदरी हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' में नजर आई। जल्द ही वह पंकज त्रिपाठी के साथ फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में नजर आएंगी। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। वह बताती हैं, 'यह अनुभव बहुत मजेदार रहा। यह फिल्म अपने आप में मेरे लिए बहुत नई और अलग तरह की है। इससे पहले मैंने ऐसा कुछ नहीं किया था। पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना सच में शानदार रहा। वह बहुत दयालु हैं, बहुत सरल स्वभाव के हैं। सेट पर उन्हें देखना ही खुशी देता है। इस प्रोजेक्ट में कई बेहतरीन कलाकार भी थे, खासकर थिएटर से जुड़े हुए लोग हैं। इतने प्रतिभाशाली लोगों के बीच रहना मेरे लिए नया और अच्छा अनुभव था।'

'मर्दानी 3' की बढ़ी कमाई; जानें 'वध 2' और बाकी फिल्मों का कलेक्शन

300 करोड़ पार हुई 'बॉर्डर 2'

बीते शुक्रवार को फिल्म 'वध 2' और 'भाबी जी घर पर हैं' जैसी नई फिल्में रिलीज हुईं। वहीं 'बॉर्डर 2' और 'मर्दानी 3' कई दिनों से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। क्या 'बॉर्डर 2' और 'मर्दानी 3' के आगे नई रिलीज फिल्मों का सिक्का चल सका। वीकएंड यानी शनिवार का फायदा क्या ये फिल्में उठा सकीं। जानिए, शनिवार का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन।

सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'वध 2' ने पहले दिन सिर्फ 50 लाख रुपये ही कमाए थे। लेकिन शनिवार को यानी रिलीज के दूसरे दिन संजय मिश्रा की फिल्म ने 71 लाख रुपये कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 1.21 करोड़ रुपये हो चुका है। इस मर्डर, थ्रिलर मिस्ट्री फिल्म में नीना गुप्ता, संजय मिश्रा के अलावा कुमुद मिश्रा, योगिता बिहानी और अक्षय डोगरा जैसे एक्टर्स भी अहम किरदारों में नजर आए हैं।

सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'भाबी जी घर पर हैं' ने पहले दिन 20 लाख रुपये कमाए थे। वहीं शनिवार को 35 लाख रुपये बटोर लिए। फिल्म का कुल कलेक्शन भी 55 लाख रुपये हो चुका है। यह फिल्म टीवी के पॉपुलर सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' पर बनी है। लेकिन बड़े पर्दे पर यह कोई कमाल नहीं कर सकी है।

फिल्म 'मर्दानी 3' ने नौवें दिन 2.95 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि आठवें दिन 1.85 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 30.90 करोड़ रुपये हो चुका है। रानी मुखर्जी की इस फिल्म ने वीकएंड का फायदा उठाया और अपनी कमाई में इजाफा किया है। फिल्म 'बॉर्डर 2' ने शुरुआती दिनों में कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़े थे। अब यह फिल्म 16 दिन में 300 करोड़ रुपये का कलेक्शन पार करने में कामयाब रही है। सैकनिल्क के अनुसार इस फिल्म ने शनिवार को 4.25 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 15वें दिन यानी शुक्रवार को 2.85 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 301.50 करोड़ रुपये हो चुका है। वैसे मेकर्स ने कुछ दिन पहले ही दावा किया था कि उनकी फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने ट्रोल्स को दिया करारा जवाब, सपोर्ट में उतरे लोग

आकांक्षा चमोला इन दिनों सुर्खियों में हैं। हाल ही में अपनी एक सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने को-एक्टर्स के साथ रोमांटिक डांस किया। इस डांस वीडियो के चलते उन्हें काफी ट्रोल किया गया था। हालांकि उस समय इस मामले पर उनका कोई रिएक्शन सामने नहीं आया था। अब आकांक्षा ने हेटर्स को करारा जवाब दिया है। हाल ही में आकांक्षा अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट 'दिल, धोखा और डिजायर' के प्रमोशन के लिए एक इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान स्टेज पर उन्होंने अपने को-एक्टर्स कुंवर अमर और अली हसन के साथ कोजी डांस किया। इस दौरान तीनों के बीच काफी नजदीकियां देखने को मिली। हालांकि, पूरे वीडियो में आकांक्षा दोनों के साथ काफी कंफर्टेबल नजर आईं। इस वीडियो के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था। इस पूरे मामले पर चल रही चर्चाओं के बीच आकांक्षा ने इंफ्लुएंसर 'जयंती अनस्क्रिप्टेड' का एक वीडियो अपनी स्टोरी में री-शेयर किया। इस वीडियो में जयती ने कहा, 'लोग अपने सारे काम-धंधे छोड़कर सिर्फ आकांक्षा पर ही ध्यान लगाए बैठे हैं। आखिर गौरव खन्ना की जीत अचानक आकांक्षा के लिए 'प्रॉब्लम' क्यों बन गई?

कॉकटेल 2 के बाद रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा होंगे शाहिद और रश्मिका, नए प्रोजेक्ट पर इस तरह बनी बात

शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि इस फिल्म के अलावा वह एक नई फिल्म में नजर आएंगे। कॉकटेल 2 में दोनों की केमिस्ट्री को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब वह अनिल शर्मा के निर्देशन में बनने वाली नई फिल्म का हिस्सा होंगे। वैरायटी इंडिया के मुताबिक कॉकटेल 2 में काम करते हुए उनकी काफी तारीफ हुई। इस फिल्म से उनके लिए दूसरी फिल्म का रास्ता बना। बताया जाता है कि कॉकटेल 2 की शूटिंग के दौरान शाहिद और रश्मिका के बीच अच्छी बॉन्डिंग बन गई। जब उनसे नए प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया, तो वे एक-साथ काम करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। अनाम फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण होगा। इसे सुनील खेत्रपाल प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म कॉकटेल 2 ने निर्देशक होमी अदजानिया हैं। यह 2012 में रिलीज हुई फिल्म कॉकटेल का सीक्वल है। इसमें शाहिद और रश्मिका के अलावा कृति सेनन भी अहम किरदार में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर, विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओ रोमियो में नजर आने वाले हैं। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित यह फिल्म 13 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी। वहीं, रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा के साथ रणबाली में नजर आएंगी।

मैं वाराणसी का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, बेटी प्रियंका की भारतीय सिनेमा में वापसी पर बोलीं मधु चोपड़ा

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने भारतीय सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। अमेरिकी सिंगर निक जोनस से शादी के बाद वे विदेश में बस गईं। इसके बाद उन्होंने कुछ हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स पर फोकस किया और भारतीय इंडस्ट्री से दूर रही हैं। मगर, अब एक बार फिर प्रियंका चोपड़ा फिल्म वाराणसी के जरिए कमबैक कर रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा करीब सात साल बाद भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में लौट रही हैं। इस पर उनके फैंस बेहद खुश हैं। फिल्म की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में दस्तक देगी। बिटिया के भारतीय सिनेमा में कमबैक पर उनकी मां मधु चोपड़ा ने खुशी जताई है। उन्होंने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा कि वे भी प्रियंका के फैंस की तरह बेहद उत्साहित हैं। सात साल बाद प्रियंका चोपड़ा जोनास की इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में वापसी के बारे में बात करते हुए मधु चोपड़ा ने कहा, इतने लंबे ब्रेक के बाद प्रियंका के इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में आने को लेकर मैं उतनी ही एक्साइटेड हूं जितना आप सब हैं। मुझे लगता है कि हम सभी मिस्टर राजामौली की फिल्म वाराणसी में उन्हें देखने का इंतजार कर रहे हैं। मैं सच में खुश हूं और बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

प्रियंका चोपड़ा की फिल्म वाराणसी 07 अप्रैल, 2027 को रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसका बजट करीब 1300 करोड़ रुपये है। प्रियंका के अलावा सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म में लीड रोल में हैं।

इटारसी बस स्टैंड पर बसों को 5 मिनट का अनिवार्य स्टॉपेज देने की मांग तेज

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय और नगर अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने किया स्थल निरीक्षण, यात्रियों-व्यापारियों से किया सीधा संवाद

इटारसी। इटारसी शहर में बसों के ठहराव की व्यवस्था को लेकर लंबे समय से उठ रही जनसमस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय एवं नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने सोमवार को पुराने इटारसी बस स्टैंड, ओवरब्रिज क्षेत्र तथा नए बस स्टैंड का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बस यात्रियों, दुकानदारों, छात्र-छात्राओं और ग्रामीण अंचल से आने वाले नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और मौके की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण की शुरुआत पुराने इटारसी बस स्टैंड से हुई, जहां दोनों नेता कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। यहां मौजूद दुकानदारों ने बताया कि बसों के पर्याप्त समय तक न रुकने से उनके व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यात्रियों ने भी अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि बसों के जल्दबाजी में रवाना हो जाने से उन्हें टिकट लेने, सामान व्यवस्थित करने, बच्चों और बुजुर्गों को संभालने तथा सुरक्षित रूप से बस में चढ़ने-उतरने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई यात्रियों ने यह भी बताया कि बसें कई बार निर्धारित स्थान पर पूरी तरह रुकती भी नहीं हैं, जिससे अफरा-तफरी की स्थिति बन जाती है।

पुराने बस स्टैंड पर संवाद के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष और नगर अध्यक्ष ऑटो से ओवरब्रिज क्षेत्र पहुंचे। ओवरब्रिज पर बसों का इंतजार कर रही स्कूल एवं कॉलेज की छात्राओं से उन्होंने चर्चा की। छात्राओं ने बताया कि बसों के कम समय तक रुकने या समय पर न आने के कारण उन्हें लंबे समय तक सड़क किनारे खड़े रहना पड़ता है। गर्मी के मौसम में तेज धूप में इंतजार करना कठिन हो जाता है, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से भी यह स्थिति चिंताजनक है। छात्राओं ने मांग की कि बसों का नियमित और पर्याप्त समय तक ठहराव सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें असुविधा और असुरक्षा का सामना न करना पड़े।

इसके पश्चात कांग्रेस नेताओं ने स्वयं जन बस में सवार होकर पुराने इटारसी बस स्टैंड से नए बस स्टैंड (पुरानी इटारसी) तक की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने बस संचालन की वास्तविक स्थिति को समझा और मार्ग में यात्रियों से चर्चा की। यात्रियों ने बताया कि बसों के कम समय के ठहराव के कारण अक्सर बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे पीछे छूट जाते हैं या हड़बड़ी में चढ़ते समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। नेताओं ने नए बस स्टैंड पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और यात्रियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी।

निरीक्षण के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ने विस्तृत बयान देते हुए कहा कि इटारसी बस स्टैंड शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों यात्रियों का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं और बुजुर्ग यहां से आवागमन करते हैं। ऐसे में बसों को कम से कम 5 मिनट का अनिवार्य स्टॉपेज दिया जाना यात्रियों की मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बसें बहुत कम समय के लिए रुक रही हैं, जिससे यात्रियों को टिकट लेने और सुरक्षित रूप से चढ़ने-उतरने का पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है, परिणामस्वरूप अव्यवस्था और असंतोष की स्थिति बन रही है।

श्री पांडेय ने यह भी कहा कि बस स्टैंड पर पेयजल, शौचालय, छाया शेड और टिकट घर जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव चिंताजनक है। भीषण गर्मी में यात्रियों को खुले में खड़े रहकर बसों का इंतजार करना पड़ता है, जो प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी किसी प्रकार का टकराव नहीं चाहती, बल्कि प्रशासन से रचनात्मक और जनहितैषी मांग कर रही है कि बसों का न्यूनतम 5 मिनट का स्टॉपेज सुनिश्चित किया जाए और बस स्टैंड पर बुनियादी सुविधाओं की तत्काल व्यवस्था की जाए।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी ने भी कहा कि वर्तमान व्यवस्था से व्यापारी, छात्र, ग्रामीण और आम नागरिक सभी प्रभावित हैं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि जमीनी स्थिति को समझते हुए शीघ्र निर्णय लिया जाए और यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि बसों को नियमित और पर्याप्त समय तक रोका जाए तो न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि स्थानीय व्यापार को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान कांग्रेस नेता अतुल तिवारी, हरिनारायण थापक, चंद्रकांत बहारे, संतोष बामने, अनूप गाचले, पप्पू आठनेरे, सुनील डोंगरे, नारायण गौर एवं राहुल दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह मांग पूरी तरह जनहित से जुड़ी है और प्रशासन को शीघ्र सकारात्मक कदम उठाना चाहिए.उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रेकवार द्वारा दी गई।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि रथ पहुंचा जामुखो, आमाखाल और गोमगांव

किसानों को दी गई उन्नत खेती, जैविक कृषि और नरवाई प्रबंधन की विस्तृत जानकारी

हरदा। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं माननीय कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने हेतु कृषि रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड खिरकिया के ग्राम जामुखो, आमाखाल एवं गोमगांव में कृषि रथ पहुंचकर किसानों को विभागीय योजनाओं एवं उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई।

गर्मी की फसलों के लिए दिए गए विशेष सुझाव : कृषि रथ में उपस्थित कृषि विस्तार अधिकारी श्री आर. के. युवने ने आगामी ग्रीष्मकालीन सीजन की बोवनी को लेकर किसानों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि मूंग के विकल्प के रूप में किसान भाई मूंगफली या तिल की फसल लगा सकते हैं, जिससे कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने किसानों को यह भी सलाह दी कि स्वास्थ्य और मिट्टी की उर्वरता को ध्यान में रखते हुए कम से कम एक एकड़ भूमि पर जैविक खेती अवश्य करें, जिससे दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होगा।

उन्नत तकनीक और आधुनिक कृषि यंत्रों का महत्व समझाया : कार्यक्रम के दौरान किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों एवं नवीन तकनीकों के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि आधुनिक मशीनों के प्रयोग से समय की बचत होती है और उत्पादन लागत में कमी आती है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि संभव है।

मिट्टी परीक्षण, बीज उपचार और पौध संरक्षण पर जोर : युवने द्वारा किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की विधि, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई के फायदे, बीज उपचार का महत्व, उन्नत किस्मों का चयन एवं पौध संरक्षण उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर किसान अपनी उपज और गुणवत्ता दोनों में सुधार कर सकते हैं।

नरवाई न जलाने की दी गई समझाइश : कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को नरवाई प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया गया तथा नरवाई नहीं जलाने की अपील की गई। बताया गया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। इसके स्थान पर वैकल्पिक प्रबंधन तकनीकों को अपनाने की सलाह दी गई।

हर ग्राम पंचायत में पहुंचेगा कृषि रथ : वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी टी.आर. चौहान ने बताया कि कृषि रथ के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में पहुंचकर किसानों को गर्मी में मूंगफली व तिल की खेती अपनाने, नरवाई न जलाने तथा जैविक खेती की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ किसानों तक सीधे पहुंचे, यही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

शिव पुराण श्रवण से जीवन होता है पावन : देवी रत्नमणि द्विवेदी

इटारसी। श्री पशुपतिनाथ मंदिर, इटारसी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस शिव पुराण के महात्म्य का भावपूर्ण वर्णन किया गया। राष्ट्रीय कथा वाचिका देवी रत्नमणि द्विवेदी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कलयुग में सत्संग और कथा श्रवण का अवसर बड़े सौभाग्य से प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि शिव पुराण का श्रद्धापूर्वक श्रवण एवं पठन मनुष्य के जीवन को सकारात्मक दिशा देता है। भगवान शिव को आशुतोष कहा गया है, जो सच्चे भाव से की गई भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होते हैं। कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन में मानसिक शांति, आत्मबल और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

देवी रत्नमणि ने बताया कि शिव पुराण में जीवन की गूढ़ सच्चाइयों को सरल कथाओं के माध्यम से समझाया गया है। यह ग्रंथ मनुष्य को भय, तनाव और नकारात्मक विचारों से मुक्त कर आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से नियमित रूप से धर्मग्रंथों के अध्ययन और सत्संग में सहभागिता का आग्रह किया।

कथा के द्वितीय दिवस मंदिर परिसर में भक्तों की भारी उपस्थिति रही। इससे पूर्व रविवार को विशाल कलश यात्रा के साथ आयोजन का भव्य शुभारंभ हुआ था। कथा के मुख्य यजमान मेहरबान चौहान ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होने की अपील की।

पशुपतिनाथ मंदिर समिति द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में रुद्र यज्ञ एवं रुद्राक्ष वितरण का आयोजन भी किया जा रहा है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

पुराने बस स्टैंड पर 5 मिनट बस स्टॉपेज की मांग को लेकर 11 फरवरी से सत्याग्रह

इटारसी। पुराने बस स्टैंड पर बसों के 5 मिनट स्टॉपेज की मांग को लेकर एक बार फिर आंदोलन तेज होने जा रहा है। शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद लंबे समय तक जवाब और सकारात्मक पहल का इंतजार किया गया, लेकिन समाधान न निकलने पर अब सत्याग्रह का रास्ता चुना गया है।

प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड गजानंद तिवारी 'गज्जू' ने बताया कि यह संघर्ष किसी व्यक्तिगत मुद्दे का नहीं, बल्कि आमजन की सुविधा का है। पुराने बस स्टैंड से रोजाना बड़ी संख्या में गरीब, मजदूर, किसान, ग्रामीण क्षेत्र से आने-जाने वाले लोग, छात्र-छात्राएं, महिलाएं और बुजुर्ग बस सेवा का उपयोग करते हैं। बसों का स्टॉपेज नहीं होने से इन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की हठधर्मिता के खिलाफ अब शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया जाएगा। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक पुराने बस स्टैंड पर कम से कम 5 मिनट का बस स्टॉपेज सुनिश्चित नहीं किया जाता।

सत्याग्रह की शुरुआत 11 फरवरी से दोपहर 12 बजे जय स्तंभ चौक पर की जाएगी। गजानंद तिवारी ने अपने साथियों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस जनहित आंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई जनसुविधा की है और इसे शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

परीक्षा संचालन को निर्वाचन प्रक्रिया जैसी गंभीरता से संपादित करें : कलेक्टर

मुरैना। मंडल बोर्ड परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने संबंधित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीएल बैठक के दौरान दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर ने कहा है कि परीक्षा संचालन कार्य को निर्वाचन प्रक्रिया के समान संवेदनशील, गंभीर एवं उत्तरदायित्वपूर्ण मानते हुए संपादित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्रों की गोपनीयता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा तथा इस संबंध में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत, समस्त एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी.एस. इंदौलिया, डिप्टी कलेक्टर सहित समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विकासखंड स्तर पर गठित निरीक्षण दल (फ्लाइंग स्क्वॉयड) प्रतिदिन न्यूनतम चार परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें, विशेष रूप से चिन्हित अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर दो से तीन अलग-अलग दलों द्वारा भिन्न-भिन्न समय पर आकस्मिक निरीक्षण किया जाए। उन्होंने परीक्षा अवधि के दौरान प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक सघन जांच व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि परीक्षा खत्म होने की समय सीमा से पूर्व किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि परीक्षा में उपस्थित सभी कर्मचारी एवं स्टाफ को उचित आईडी कार्ड, जिला शिक्षा अधिकारी देना सुनिश्चित करें, जिससे उनकी पहचान में कोई समस्या न आए। उन्होंने निर्देशित किया कि केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्ष परीक्षा कक्ष निरीक्षक दल के साथ मुख्य प्रवेश द्वार पर उपस्थित रहकर सतत निगरानी रखें।

मध्यप्रदेश पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कार्यवाही के परिणामस्वरूप राजगढ़ एवं मंदसौर जिले में की गई दो अलग-अलग बड़ी कार्रवाइयों में पुलिस ने एमडी ड्रग्स निर्माण में प्रयुक्त कैमिकल, मादक पदार्थ एवं उपकरण जप्त की है। राजगढ़- लगभग 5 करोड़ रुपये का एमडी ड्रग्स निर्माण में प्रयुक्त 266.9 किलोग्राम कैमिकल जब्तः दिनांक 07 फरवरी को थाना माचलपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम आदमपुरा के जंगल क्षेत्र में खेत में बनी एक खंती में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एमडी ड्रग्स (मादक पदार्थ) निर्माण में प्रयुक्त रासायनिक पदार्थ ड्रमों में छिपाकर फेंका गया है। सूचना की तस्दीक उपरांत पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान खंती से 05 नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम बरामद हुए, जिनमें प्लास्टिक पन्नियों में भरा सफेद रंग का क्रिस्टलनुमा कैमिकल पाउडर पाया गया। प्रारंभिक परीक्षण एवं विशेषज्ञ अनुभव के आधार पर उक्त पदार्थ एमडी ड्रग्स के निर्माण में प्रयुक्त कैमिकल होना पाया गया। तौल करने पर ड्रमों सहित कुल वजन 266.9 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग 05 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद समस्त कैमिकल को विधिवत जप्त कर थाना माचलपुर में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है तथा मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े नेटवर्क की गहन जांच जारी है। मंदसौर- गरोठ थाना क्षेत्र में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार थाना प्रभारी गरोठ एवं उनकी टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर ग्राम सुरजना स्थित खेत के कुएं पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान मौके पर दो व्यक्ति एमडी ड्रग्स बनाते हुए पाए गए।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता सत्र आयोजित

भोपाल। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 04 फरवरी से 06 फरवरी 2026 , तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष सत्र छ्रस्ष्ठ्ठ ह्रस्स्ष्टह्रूटेक्नोलॉजी सेंटर, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया। सत्र में मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में श्री लोकेश पाटिल उपस्थित हुए,जो इ.सी. काउंसिल द्वारा प्रमाणित एथिकल हैकर (सी ई एच वी 12) हैं और वर्तमान में सुरक्षा विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत हैं।

सत्र के दौरान श्री लोकेश पाटिल ने विद्यार्थियों को दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई डिजिटल चुनौतियों के प्रति सचेत करते हुए एक %जिम्मेदार डिजिटल नागरिक% बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने साइबर सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड रखने, उसे समय-समय पर बदलने और उपकरणों में एंटीवायरस को नियमित अपडेट रखने पर ज़ोर देते हुए किसी भी ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसके निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करने की विशेष सलाह दी, ताकि डेटा चोरी और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचा जा सके। कार्यक्रम में छ्रस्ष्ठ्ठ टीम के सदस्य श्री गौरव गुप्ता, श्री कपिल मालवीय एवं सुश्री विदिका तोमर की भी सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग एवं फिशिंग जैसे खतरों से बचाव के अनेक उपाय बताए।

कार्यक्रम के अंतिम दिन, 06 फरवरी, 2026 को एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा, पासवर्ड सुरक्षा और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग जैसे विषयों पर रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गय, जिसमें कक्षा सातवीं %स% की छात्रा गुंजन दलवानी ने अपने शानदार प्रदर्शन से प्रथम स्थान प्राप्त किया,उन्हें 10,000 रुपये की नकद राशि, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

वहीं, कक्षा सातवीं %स% की ही कनिष्का जैन द्वितीय स्थान पर रहीं, जिन्हें सम्मान स्वरूप 7,500 रुपये, मेडल और प्रमाण पत्र भेंट किया गया। तृतीय स्थान पर कक्षा छठवीं %अ% की प्राची लालवानी रहीं, जिन्हें 5,000 रुपये की नकद राशि, प्रमाण पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु दो सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। इसमें कक्षा आठवीं %स% की प्रियल जैन को 2500 और कक्षा छठवीं %अ% की कांची आहूजा को 2500 की नकद राशि, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त इस ट्रेनिंग में उपस्थित सभी छात्राओं को सर्टिफिकेट भी दिए गए। विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों की सराहना करते हुए संस्था के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने इस बात पर जोर दिया कि परिणाम से अधिक प्रयास का महत्व होता है। विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रतियोगिता या गतिविधि में भाग लेना सबसे जरूरी है। जब आप हिस्सा लेते हैं, तो आप सीखने की प्रक्रिया से जुड़ते हैं, जो किसी भी पुरस्कार से कहीं अधिक मूल्यवान है।

विद्यालय की उप प्राचार्या सुश्री रेखा केवलानी ने इस अवसर पर कहा कि आज के डिजिटल युग में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे वे सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बन सकें। उन्होंने संसाधन व्यक्ति श्री लोकेश पाटिल एवं छ्रस्ष्ठ्ठ टीम तथा आयोजन से जुड़े सभी शिक्षिकाओं के प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में संस्था के सचिव आदरणीय श्री घनश्याम मूलचंदानी विद्यालय की उप प्राचार्य सुश्री रेखा केवलानी कोऑर्डिनेटर सुश्री काजल आसुदानी,समस्त शिक्षिकाएँ एव छात्राएँ उपस्थित रहीं।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्पलेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)